असफलता केवल एक सीढ़ी है, सफलता की ऊंचाई तक पहुंचने की।

मंडला, भोपाल, जबलपुर, कटनी, इंदौर, मुंबई, दिल्ली, रायपुर, नरसिंहपुर, सिवनी से एक साथ प्रकाशित

yashbharat.co.in

नये जमाने के साथ..

यश भारत

● वर्ष-13 अंक-166 ● मंडला ● बुधवार, 4 नवम्बर, 2026 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● कार्तिक कृष्ण पक्ष 10 ● विक्रम संवत् 2083

नेपाल में लैंडिंग के दौरान दो हेलिकॉप्टर टकराए
भारतीय पर्यटक की मौत

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के एवरेस्ट क्षेत्र में मंगलवार सुबह लैंडिंग के दौरान दो हेलिकॉप्टर आपस में टकरा गए। हादसे में एक भारतीय पर्यटक की मौत हो गई, जबकि न्यूजीलैंड का एक नागरिक और दोनों हेलिकॉप्टरों के पायलट घायल हो गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दोनों हेलिकॉप्टरों के रोटर ब्लेड आपस में टकराए थे। दुर्घटना के बाद दोनों हेलिकॉप्टर क्षतिग्रस्त होकर नीचे गिर गए। सुबह 8.11 बजे सोलुखुम्बु जिले के फेरीचे हेलीपैड पर हुआ। यहां फिशटेल एयर और एयर डायनेस्टी के हेलिकॉप्टर उतरने का प्रयास कर रहे थे। अधिकारियों के मुताबिक, फिशटेल एयर के हेलिकॉप्टर में सवार भारतीय पर्यटक वसंत कुमार बालारामारामाडु की मौत हो गई। इसी हेलिकॉप्टर में सवार न्यूजीलैंड के नागरिक शैलेश कृष्ण पटेल घायल हुए हैं।





भारतीय नौसेना ने सोमाली समुद्री लुटेरों से छुड़ाया ईरानी जहाज, 20 नाविकों को सुरक्षित बचाया

मुंबई से 3 हजार किमी दूर 48 घंटे चला ऑपरेशन, भारतीय वायुसेना ने भी संभाला मोर्चा, 12 हथियारबंद लुटेरों ने किया था अपहरण

मुंबई, यशभारत। भारतीय नौसेना ने एक बार फिर समुद्र में अपनी ताकत और साहस का परिचय देते हुए सोमाली समुद्री लुटेरों के कब्जे से ईरानी मछली पकड़ने वाले जहाज च्अजिनीज को मुक्त करा लिया। इस सफल अभियान में जहाज पर सवार 20 ईरानी क्रू सदस्यों को सुरक्षित बचाया गया। सोमवार को अभियान पूरा हुआ। मुंबई से करीब 3 हजार किलोमीटर से अधिक दूर समुद्र में चलाए गए इस 48 घंटे के ऑपरेशन में भारतीय वायुसेना ने भी अहम भूमिका निभाई।

जानकारी के अनुसार, गुरुवार को सोमालिया के उत्तर-पूर्वी तट के पास 12 हथियारबंद समुद्री लुटेरों ने जहाज च्अजिनीज का अपहरण कर लिया था। घटना के बाद भारतीय नौसेना ने जहाज की तलाश शुरू की और उसे समुद्र में ट्रैक कर घेर लिया। इसके बाद सुनियोजित कार्रवाई करते हुए जहाज को लुटेरों के कब्जे से मुक्त कराया गया। अधिकारियों के मुताबिक, अपहरण के समय जहाज पर 21 ईरानी क्रू सदस्य और दो सोमाली सुरक्षा गार्ड सहित कुल 23 लोग मौजूद थे। इनमें से 20 ईरानी नाविकों को सुरक्षित बचाए जाने की जानकारी सामने आई है। इस पूरे अभियान में भारतीय नौसेना के साथ वायुसेना ने भी निगरानी और ऑपरेशन में सहयोग किया। आशंका जताई जा रही थी कि समुद्री लुटेरे इस जहाज का इस्तेमाल आगे चलकर अन्य व्यापारिक जहाजों पर हमले करने के लिए कर सकते थे। ऐसे में समय रहते की गई कार्रवाई को समुद्री सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। ऑपरेशन सफल होने के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर तस्वीरें साझा करते हुए भारतीय नौसेना की सराहना की। उन्होंने अभियान में शामिल जवानों को बधाई दी और कहा कि भारतीय वायुसेना ने भी समय पर महत्वपूर्ण सहायता उपलब्ध कराई। इस कार्रवाई ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय समुद्री क्षेत्र में भारतीय नौसेना की तत्परता और क्षमता को प्रदर्शित किया है। गौरतलब है कि अदन की खाड़ी और पश्चिमी हिंद महासागर में सोमाली समुद्री लुटेरों की गतिविधियां एक बार फिर बढ़ने लगी हैं। हाल के महीनों में व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाने की घटनाएं सामने आई हैं। ऐसे में भारतीय नौसेना हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा और व्यापारिक जहाजों की आवाजाही को सुरक्षित रखने के लिए लगातार निगरानी कर रही है।

समुद्री लुटेरों के खिलाफ पहले भी दिखा चुकी है ताकत

भारतीय नौसेना इससे पहले भी सोमाली समुद्री लुटेरों के खिलाफ कई बड़े अभियान चला चुकी है। 29 मार्च 2024 को 12 घंटे के अभियान में ईशानी जहाज च्अल-कंबरज को नौ लुटेरों के कब्जे से मुक्त कराते हुए 23 पाकिस्तानी नागरिकों को बचाया गया था। वहीं, 16 मार्च 2024 को करीब 40 घंटे चले अभियान में मार्कोस कमांडो ने मालवाहक जहाज एमवी रुएनज से 17 लोगों को मुक्त कराया था और 35 सोमाली समुद्री लुटेरों को आत्मसमर्पण करने पर मजबूर किया था। इसी तरह 29 जनवरी 2024 को आईएनएस सुमित्रा ने सोमालिया के तट के पास 11 हथियारबंद लुटेरों को घेरकर मछली पकड़ने वाले जहाज च्अल नईमीज के 19 क्रू सदस्यों को सुरक्षित बचाया था। इन अभियानों से हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की समुद्री सुरक्षा क्षमता और मजबूत हुई है।

15 नवंबर तक 20 लाख रजिस्ट्री का लक्ष्य

100 फीसदी रजिस्ट्री वाले गांवों में दिवाली मनाएंगे मंत्री

भोपाल। यशभारत। मध्यप्रदेश में स्वामित्व योजना को गति देने के लिए सरकार ने अब इसे जनभागीदारी और उत्सव से जोड़ने की तैयारी की है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रियों को निर्देश दिए हैं कि जिन गांवों में आबादी भूमि पर काबिज पात्र हितग्राहियों की 100 प्रतिशत रजिस्ट्री पूरी हो चुकी है, वहां पहुंचकर दिवाली और गोवर्धन पूजा का उत्सव मनाएं। मंत्री स्थानीय नागरिकों के बीच जाकर उनकी खुशियों में शामिल होंगे और उन्हें योजना के तहत मिलने वाले मालिकाना हक के फायदे भी बताएंगे। सरकार का लक्ष्य 15 नवंबर तक प्रदेश में 20 लाख रजिस्ट्री पूरी करने का है। इसके लिए शेष गांवों में सर्वे कराया जाएगा, जिससे हितग्राहियों की संख्या मौजूदा अनुमान 50 लाख से बढ़कर 60 लाख तक पहुंच सकती है।

मुख्यमंत्री ने कैबिनेट बैठक में बताया कि स्वामित्व योजना के तहत रजिस्ट्री का आंकड़ा 50 लाख से बढ़कर 60 लाख तक पहुंचने की संभावना है। योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को आबादी भूमि का मालिकाना हक दिलाने के लिए रजिस्ट्री शुल्क सरकार स्वयं वहन कर रही है। एमएसएमई मंत्री चैतन्य काश्यप के अनुसार प्रदेश में अब तक करीब 15 लाख रजिस्ट्री हो चुकी हैं। 15 नवंबर तक 20 लाख रजिस्ट्री पूरी करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। योजना पर सरकार लगभग 10 हजार करोड़ रुपए खर्च करेगी, जिसमें से 3800 करोड़ रुपए पहले ही मंजूर किए जा चुके हैं। रजिस्ट्री होने से ग्रामीणों को उनकी संपत्ति का कानूनी दस्तावेज मिलेगा, जिससे भविष्य में संपत्ति संबंधी विवादों में कमी आने के साथ उन्हें आर्थिक गतिविधियों के लिए भी लाभ मिल सकेगा।

वन, स्वास्थ्य और सिंचाई योजनाओं को 2031 तक विस्तार

कैबिनेट ने प्रदेश में विभिन्न विभागों की योजनाओं को वर्ष 2031 तक जारी रखने की मंजूरी दी है। वन विभाग की आठ योजनाओं के लिए 15,200 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। इसके अलावा वन भूमि के उपयोग के बाद दूसरे स्थान पर वनीकरण करने के लिए 1,994 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग की इन्वेस्टमेंट प्रमोशन योजना के लिए 610 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं। सरकार का उद्देश्य इन योजनाओं के माध्यम से वन संरक्षण, स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार और निवेश को प्रोत्साहित करना है।जल संसाधन विभाग की चार सिंचाई परियोजनाओं को भी पूरा करने के लिए योजनाएं जारी रखने का निर्णय लिया गया है। इनमें पन्ना जिले की मझगवां मध्यम सिंचाई परियोजना, विदिशा जिले की लटेरी तहसील की मध्यम सिंचाई परियोजना और मऊगंज-सिंगरौली क्षेत्र की हनुमना सिंचाई परियोजना शामिल हैं। हनुमना परियोजना से लगभग 1.20 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होने की उम्मीद है। वहीं शिप्रा नदी में पानी लाने वाली सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी परियोजना के लिए 136 करोड़ रुपए अतिरिक्त स्वीकृत किए गए हैं। इससे नदी में जल उपलब्धता बढ़ाने और धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व से जुड़े क्षेत्रों को लाभ पहुंचाने की दिशा में काम आगे बढ़ेगा।



18 नवंबर को गांधी सागर में होगी कैबिनेट

मुख्यमंत्री ने अगली कैबिनेट बैठक 18 नवंबर को गांधी सागर में आयोजित करने की जानकारी दी। इस बैठक में किसान और उद्योग से जुड़े मुद्दों पर विशेष रूप से चर्चा होगी। वहीं भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर को प्रदेश और जिला स्तर पर भव्य रूप से मनाई जाएगी। आयोजन की तैयारियों और कार्ययोजना को लेकर 5 नवंबर को मुख्यमंत्री निवास पर बैठक आयोजित की जाएगी। किसानों की फसलों को नीलगाय से होने वाले नुकसान की समस्या के समाधान के लिए वन विभाग ने विशेष पहल की है। इसके तहत अफ्रीका के विशेषज्ञों से प्रदेश के वन अधिकारियों को प्रशिक्षण दिलाया गया। प्रशिक्षण के बाद वन विभाग के अधिकारियों ने करीब दो हजार हिरण और नीलगाय पकड़कर अभयारण्यों में छोड़े हैं।

धान पंजीयन की तारीख बढ़ाई, किसानों को राहत

धान खरीदी के लिए किसानों के पंजीयन की अंतिम तारीख बढ़ाकर 4 नवंबर कर दी गई है। इससे उन किसानों को अतिरिक्त अवसर मिलेगा, जो निर्धारित अवधि में किसी कारण से अपना पंजीयन नहीं करा पाए थे। मुख्यमंत्री ने गोवर्धन पूजा के अवसर पर किसानों को शुभकामनाएं देते हुए प्रदेश के लोगों से दीपावली पर स्वदेशी वस्तुओं की अधिक से अधिक खरीदारी करने का आह्वान किया।

अमेरिका में मिडटर्म चुनाव का महासंग्राम शुरू, ट्रम्प की सत्ता पर नजर

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में मिडटर्म चुनाव के लिए मंगलवार को मतदान शुरू हो गया। राष्ट्रपति चुनाव के दो साल बाद हो रहे इन मध्यावधि चुनावों को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और उनकी रिपब्लिकन पार्टी के लिए बड़ी राजनीतिक परीक्षा माना जा रहा है। चुनाव में अमेरिकी संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स की सभी 435 सीटों और उच्च सदन सीनेट की 35 सीटों पर मतदान हो रहा है। फिलहाल रिपब्लिकन पार्टी को संसद के दोनों सदनों में बहुमत हासिल है। ऐसे में चुनाव परिणाम तय करेंगे कि ट्रम्प अपनी सरकार का एजेंडा कितनी मजबूती से आगे बढ़ा पाएंगे या फिर उन्हें संसद में विपक्ष की चुनौती का सामना करना पड़ेगा। मंगलवार को भारतीय समयानुसार शाम 4:30 बजे सबसे पहले आठ राज्यों में मतदान केंद्र खुले। इनमें कनेक्टिकट, इंडियाना, केंटकी, मेन, न्यू हैम्पशायर, न्यू जर्सी, न्यूयॉर्क और वर्जीनिया शामिल हैं। इन चुनावों में अमेरिकी संसद के दोनों सदनों के अलावा कुछ राज्यों में गवर्नर पदों के लिए भी मतदान हो रहा है।

न विशेषज्ञ, न किट, न जज्बा: रेंज में वन विभाग की खुली कलई

4-लेन हाईवे पर अज्ञात वाहन की टक्कर से बाघ गंभीर रूप से घायल



***सागर, यशभारत।** दक्षिण I वन मंडल अंतर्गत गौरझामर रेंज के बरकोटी गांव के पास रविवार-सोमवार की दरमियानी रात एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। सागर-नरसिंहपुर मार्ग स्थित फोरलेन हाईवे पर तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने सड़क पार कर रहे एक किशोरवय (युवा) बाघ को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाघ गंभीर रूप से घायल हो गया और घंटों हाईवे किनारे दर्द से तड़पता रहा।*

इस संवेदनशील घटना के बाद वन विभाग की लापरवाही और लचर कार्यशैली को लेकर स्थानीय लोगों में गहरा आक्रोश है। स्थानीय टीम के पास आपात स्थिति से निपटने के लिए न तो आवश्यक विशेषज्ञता थी और न ही तुरंत कोई चिकित्सकीय संसाधन उपलब्ध हो सके।

पन्ना और जबलपुर की रेस्क्यू टीमों ने दिया प्राथमिक उपचार

स्थानीय स्तर पर व्यवस्था न होने के कारण पन्ना और जबलपुर से विशेषज्ञों की रेस्क्यू टीमों को बुलाया गया। टीमों के मौके पर पहुंचने के बाद ही बाघ को सुरक्षित रूप से ट्रैंक्युलाइज कर प्राथमिक उपचार दिया जा सका। इसके बाद देर शाम घायल बाघ को सघन इलाज के लिए भोपाल स्थित वन विहार राष्ट्रीय उद्यान (Van Vihar National Park) शिफ्ट कर दिया गया है, जहां डॉक्टरों की विशेष टीम उसकी सतत निगरानी कर रही है।

घटना के बाद समय पर रेस्क्यू और उपचार न मिल पाने को लेकर स्थानीय निवासियों और वन्यजीव प्रेमियों ने वन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों और पर्यावरणविदों ने मांग की है कि प्राकृतिक कॉरिडोर वाले इस क्षेत्र में स्पीड लिमिट तय की जाए और स्थानीय वन अमले को आपात रेस्क्यू उपकरणों व आवश्यक ट्रेनिंग से लैस किया जाए ताकि भविष्य में बेजुबान वन्यजीवों को समय पर इलाज मिल सके।



14 लाख सैन्यकर्मियों के निजी वाहनों को टोल से छूट देने की तैयारी

गडकरी और राजनाथ के मंत्रालयों में बातचीत शुरू

नई दिल्ली, यशभारत। केंद्र सरकार देश के करीब 14 लाख सक्रिय सैन्यकर्मियों के निजी वाहनों को टोल टैक्स से छूट देने की तैयारी कर रही है। इस संबंध में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय के बीच बातचीत शुरू हो गई है। प्रस्ताव का उद्देश्य सैन्यकर्मियों को मिलने वाली टोल छूट को जारी रखते हुए हाईवे पर लागू होने जा रही आधुनिक स्वचालित टोल व्यवस्था को भी सुचारु बनाए रखना है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के मंत्रालय और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के मंत्रालय के बीच इस दिशा में व्यावहारिक समाधान तलाशा जा रहा है। दरअसल, देश में मल्टी-लेन फ्री फ्लो (एमएलएफएफ) टोलिंग सिस्टम लागू करने की तैयारी है। इस व्यवस्था में टोल प्लाजा पर बैरियर नहीं होंगे और वाहन बिना रुके हाईवे से गुजर सकेंगे। वाहनों की पहचान फास्टैग और अन्य स्वचालित तकनीकों के माध्यम से की जाएगी तथा टोल शुल्क अपने आप कट जाएगा। लेकिन इस व्यवस्था के सामने सैन्यकर्मियों के निजी वाहनों को मिलने वाली टोल छूट को लेकर चुनौती खड़ी हो गई है। मौजूदा व्यवस्था में रक्षा कर्मियों के निजी वाहनों को निर्धारित शर्तों के तहत टोल में छूट मिलती है, लेकिन नई प्रणाली में पात्र वाहनों की पहचान और शुल्क से छूट सुनिश्चित करने का तकनीकी तरीका अभी तय नहीं है।

सागर एसपी पद से हटाए जाने के बाद आईपीएस अनुराग सुजानिया का इस्तीफा

भोपाल,यशभारत। मध्यप्रदेश पुलिस महकमे में एक बार फिर बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। सागर के पूर्व पुलिस अधीक्षक (एसपी) और 2014 बैच के आईपीएस अधिकारी अनुराग सुजानिया ने नौकरी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने सोमवार को अपना इस्तीफा शासन को सौंपा है। इस्तीफे में उन्होंने सेवा छोड़ने की वजह व्यक्तिगत बताई है। हालांकि, महज चार दिन पहले सागर एसपी के पद से हटाकर पुलिस मुख्यालय में सहायक पुलिस महानिरीक्षक (एआईजी) बनाए जाने के बाद उनके इस फैसले ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। इस घटनाक्रम से प्रदेश का पुलिस महकमा चर्चाओं में है।



अनुराग सुजानिया करीब छह महीने पहले सागर जिले के पुलिस अधीक्षक बनाए गए थे। हाल ही में जहरीली शराब के सेवन से सागर में 22 लोगों की मौत के मामले ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था और पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए थे। इस घटना के बाद प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई और जवाबदेही को लेकर भी चर्चाएं तेज हुई थीं। इसी बीच सरकार ने चार दिन पहले उन्हें सागर एसपी के पद से हटाकर पुलिस मुख्यालय में एआईजी की जिम्मेदारी सौंप दी थी। इस तबादले के कुछ ही दिन बाद उनके इस्तीफे की खबर सामने आने से मामला और चर्चा में आ गया है।सुजानिया के इस्तीफे के बाद राज्य सरकार भी सक्रिय हो गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पुलिस मुख्यालय पहुंचकर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। बैठक में प्रदेश की कानून-व्यवस्था, पुलिसिंग की मौजूदा स्थिति और प्रशासनिक व्यवस्थाओं की समीक्षा किए जाने की संभावना है। इसके साथ ही अनुराग सुजानिया के इस्तीफे का मामला भी चर्चा के केंद्र में रह सकता है। सरकार ने फिलहाल उनका इस्तीफा स्वीकार करने को लेकर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया है।इससे पहले मंगलवार सुबह मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भौंरी पहुंचे थे, जहां आईपीएस एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने उनसे मुलाकात कर सुजानिया के इस्तीफे से जुड़े घटनाक्रम पर चर्चा की। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री ने एसोसिएशन से इस मामले में हस्तक्षेप करने को कहा था। इसके बाद ही शाम को पुलिस मुख्यालय में वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक बुलाए जाने की जानकारी सामने आई।अनुराग सुजानिया के इस्तीफे को लेकर पुलिस महकमे में अलग-अलग तरह की चर्चाएं हैं।

सार्वजनिक जगह पर अनिश्चितकाल तक धरना नहीं दे सकते, प्रदर्शन का अधिकार सबको : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली,यशभारत। सुप्रीम कोर्ट ने सार्वजनिक स्थानों पर लंबे समय तक धरना-प्रदर्शन करने को लेकर महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा है कि कोई भी संगठन किसी सार्वजनिक जगह पर अनिश्चितकाल तक कब्जा नहीं कर सकता। प्रदर्शन के लिए निर्धारित स्थलों पर भी समय-सीमा तय होनी चाहिए, ताकि दूसरे संगठनों और आम नागरिकों को भी अपनी बात रखने का अवसर मिल सके। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि लोकतंत्र में प्रदर्शन करना प्रत्येक नागरिक और संगठन का अधिकार है, लेकिन इस अधिकार का इस्तेमाल करते समय दूसरे लोगों के अधिकारों, रोजगार और कारोबार का भी ध्यान रखना जरूरी है।



जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ दिल्ली में अक्टूबर में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ हुए प्रदर्शनों से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। इन याचिकाओं में प्रदर्शन के दौरान पुलिस की कार्रवाई, लोगों को हिरासत में लेने, प्रदर्शनकारियों की निगरानी, प्रदर्शन स्थलों पर प्रतिबंध और कारोबारियों को हुए आर्थिक नुकसान जैसे मुद्दे उठाए गए हैं।सुनवाई के दौरान जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि कोई भी व्यक्ति या संगठन हमेशा के लिए किसी एक जगह पर कब्जा नहीं कर सकता। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि एक संगठन किसी स्थान पर लगातार बैठा रहेगा तो किसान, पत्रकार, मजदूर और दूसरे प्रदर्शनकारी अपनी बात कहने के लिए कहां जाएंगे? सभी को प्रदर्शन करने का अधिकार है। इसलिए सार्वजनिक स्थानों का इस्तेमाल इस तरह होना चाहिए कि किसी एक संगठन का स्थायी कब्जा न हो और दूसरों को भी अपनी बात रखने का अवसर मिले। सुनवाई के दौरान दिल्ली के व्यापारिक संगठनों की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने प्रदर्शन के कारण कारोबार प्रभावित होने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि त्योहारों के सीजन में दिल्ली के कई प्रमुख बाजारों में दुकानें बंद रहीं और व्यापारियों की बिक्री बुरी तरह प्रभावित हुई। उनके अनुसार कारोबारियों को करीब 2000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। उन्होंने दलील दी कि त्योहारों के समय कारोबार प्रभावित होने से केवल दुकानदार ही नहीं, बल्कि उनसे जुड़े कर्मचारियों और अन्य लोगों की आजीविका पर भी असर पड़ता है। उन्होंने कोर्ट से अगले दो महीने तक धरना-प्रदर्शन पर रोक लगाने की मांग की।

भारत का महापर्व दीपावली 8 नवंबर

दीपावली केवल एक दिन का त्योहार नहीं, पांच दिनों का महापर्व है

अरुणोदय पंचांग के प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य पंडित लोकेश व्यास ने बताए धनतेरस से भाई दूज तक के शुभ मुहूर्त और पौराणिक रहस्य*





जबलपुर, यशभारत। दीपावली को लेकर जनमानस में अक्सर भ्रम रहता है कि यह केवल एक दिन का पर्व है। इस भ्रम को दूर करते हुए अरुणोदय पंचांग के प्रसिद्ध, प्रख्यात ज्योतिषाचार्य पंडित लोकेश व्यास जी ने बताया कि दीपावली सनातन धर्म का सबसे बड़ा और प्रमुख महापर्व है जो पांच दिनों तक मनाया जाता है।

पंडित व्यास जी के अनुसार दीपावली के 5 दिन

1. धनतेरस (6 नवम्बर, शुक्रवार) - इस दिन 10 बजकर 46 मिनट से शुभ मुहूर्त रहेगा। भगवान धन्वंतरि और कुबेर देव की पूजा के साथ सोना, चांदी, जेवर, बर्तन और झाड़ू खरीदना अक्षय फलदायी होता है। सायंकाल धन लक्ष्मी पूजन होता है। इसी दिन अकाल मृत्यु निवारण हेतु यम दीपदान का विशेष महत्व है। घर के बाहर चार बत्तियों वाला तेल का दीपक यमराज के निमित्त रखना चाहिए।

2. नरक चतुर्दशी (छोटी दिवाली) - यमराज के नाम का दीया निकाला जाता है। रूप चौदस के रूप में सौंदर्य और स्वच्छता पर ध्यान दिया जाता है।

3. दीपावली (8 नवम्बर, रविवार) - मुख्य पर्व। प्रदोष व्यापिनी अमावस्या में लक्ष्मी पूजन शास्त्र सम्मत है। इस वर्ष दिन 10:13 से पूजन मुहूर्त प्रारंभ होकर पूरी रात चलेगा। **व्यापारियों** के लिए दोपहर 1:30 से 3:15 तक स्थिर लग्न, शाम 6 से रात 8:10 तक स्थिर वृषभ लग्न का उत्तम मुहूर्त और रात 10:10 से 12:35 तक निशीथ काल तांत्रिक जप के लिए विशेष शुभ रहेगा।

4. गोवर्धन पूजा (अन्नकूट) - भगवान श्रीकृष्ण द्वारा इंद्र का मानमर्दन कर गोवर्धन पर्वत उंगली पर उठाने की लीला की याद में प्रकृति और गायों की पूजा।

5. भाई दूज (यम द्वितीया) - भाई-बहन के पवित्र प्रेम का प्रतीक। बहनें भाई के माथे पर तिलक कर लंबी उम्र की कामना करती हैं।पौराणिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए पं. व्यास जी ने बताया:- श्रीराम आगमनः त्रेतायुग में भगवान श्रीराम, सीता और लक्ष्मण 14 वर्ष वनवास और रावण वध के बाद इसी दिन अयोध्या लौटे थे। अयोध्यावासियों ने घी के दीयों से पूरी नगरी रोशन की थी।- माता लक्ष्मी प्राकट्यः समुद्र मंथन के दौरान कार्तिक अमावस्या को ही धन और समृद्धि की देवी माता लक्ष्मी का प्राकट्य हुआ था।- कृष्ण विजयः द्वापर में भगवान कृष्ण ने नरकासुर राक्षस का वध कर प्रजा को उसके आतंक से मुक्ति दिलाई थी।धन लक्ष्मी प्राप्ति मंत्रः पं. व्यास जी ने बताया कि ॥ ? ह्रीं महालक्ष्म्यै च विद्महे, विष्णुपत्न्यै च धीमहि तन्नो लक्ष्मीः प्रचोदयात॥ मंत्र का जाप, खीर, पंचामृत, कमलगट्टा, वैजयन्ती से हवन और श्रीसूक्त पाठ करने से लक्ष्मी प्राप्ति होती है।

प्रार्थना हॉस्पिटल कांडः घर का बुझ गया चिराग डिप्टी सीएम ने दिया जांच का आश्वासन

रीवा। प्रार्थना हॉस्पिटल में 21 वर्षीय अक्षत शुक्ला की मौत का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। अस्पताल प्रबंधन और संबंधित डॉक्टरों पर चिकित्सकीय लापरवाही के गंभीर आरोपों के बीच उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे। इस दौरान मृतक अक्षत के पिता ने डिप्टी सीएम के सामने अस्पताल में इलाज के दौरान हुई घटनाओं की पूरी दास्तान बयां की और डॉक्टरों की कथित लापरवाही को अपने बेटे की मौत की वजह बताया।



पुत्र को खोने का दर्द और न्याय की उम्मीद लेकर बैठे पिता ने डिप्टी सीएम को बताया कि किस तरह प्रार्थना हॉस्पिटल में इलाज के दौरान उनके बेटे की जिंदगी के साथ कथित तौर पर लापरवाही बरती गई। उन्होंने डॉ. मुकेश तिवारी सहित अस्पताल के अन्य डॉक्टरों की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाते हुए पूरे मामले में कार्रवाई की मांग रखी।

परिवार की पीड़ा सुनने के बाद उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने उन्हें न्याय का भरोसा दिलाया। उन्होंने मामले को गंभीरता से लेते हुए पीड़ित परिवार को आश्वस्त किया कि उनकी बात सुनी जाएगी और उन्हें न्याय दिलाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। अक्षत शुक्ला महज 21 वर्ष का था। जिस उम्र में परिवार को उससे भविष्य की उम्मीदें थीं, उसी उम्र में उसकी मौत ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया। अब परिवार की मांग है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच हो, इलाज में लापरवाही के लिए जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय की जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो।

58 मदिरा दुकानों पर एक साथ छापा
तेजगढ़ में 49 पेटी शराब जब्त

कई दुकानों में नियमों की अनदेखी उजागर, अनियमितताओं पर नोटिस जारी

दमोह। जिले में मदिरा दुकानों की एक साथ हुई सघन जांच में कई स्तरों पर अनियमितताएं सामने आई हैं। तेजगढ़ दुकान से 49 पेटी मदिरा बैच परमिट से संबंधित अनियमितता के चलते जब्त की गई, जबकि अन्य दुकानों में जरूरी अभिलेखों के रखरखाव से लेकर भंडारण तक में खामियां मिलीं। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव के निर्देश पर जिले की सभी 58 मदिरा दुकानों की जांच के लिए 58 दल गठित किए गए थे।

कहीं रजिस्टर गायब, तो कहीं भंडारण में गड़बड़ी

जांच के दौरान 3 दुकानों पर निर्धारित साइनबोर्ड नहीं मिले, 7 दुकानों में विक्रेताओं के नौकरनामे नहीं पाए गए और 17 दुकानों में निरीक्षण पुस्तिका संधारित नहीं थी। इसी तरह 16 दुकानों में दैनिक विक्रय पंजी का संधारण नहीं मिला, जबकि 10 दुकानों में पंजी के अनुसार मदिरा का संग्रहण नहीं पाया गया। दो दुकानों में परमिट फाइल नहीं मिली और 4 दुकानों में रखी मदिरा का बैच परमिट के अनुरूप नहीं पाया गया।

संदिग्ध मदिरा नहीं मिली, तेजगढ़ में 49 पेटी जब्त

प्रशासन के मुताबिक, जांच में किसी भी दुकान पर आबकारी एड्रेसेबल लेवल क्यूआर कोड के बिना मदिरा नहीं मिली। हालांकि, तेजगढ़ दुकान से 49 पेटी मदिरा जब्त की गई, जो निर्धारित बैच परमिट से संबंधित नहीं थी। प्रशासन ने इसे जांच अभियान के दौरान सामने आई प्रमुख कार्रवाई बताया।

जवाब के बाद होगी वैधानिक कार्रवाई

कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने बताया कि शासन के निर्देशों के पालन और आमजन के स्वास्थ्य की सुरक्षा के मद्देनजर सभी दुकानों की एक साथ जांच कराई गई। जांच में मिली कमियों और अनियमितताओं के संबंध में संबंधित संचालकों को नोटिस जारी किए जा रहे हैं। जवाब मिलने के बाद नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

जिला प्रशासन का कहना है कि मदिरा दुकानों में नियमों का पालन सुनिश्चित करने और संदिग्ध अथवा अवैध मदिरा के विक्रय पर रोक लगाने के लिए निगरानी जारी रहेगी।

जेल ग्राउंड से 2 किमी दूर पहुंचा पटाखा बाजार, व्यापारियों में उबाल

मंडला, यशभारत। मंडला में दीपावली से पहले पटाखा बाजार को लेकर बड़ा बदलाव किया गया है। वर्षों से जेल ग्राउंड में लगने वाला पटाखा बाजार अब शहर से करीब दो किलोमीटर दूर बड़ी खैरी मैदान में लगेगा। यह वही मैदान है, जहां हर वर्ष मंडला की प्रसिद्ध मातारानी की स्थापना की जाती है। लेकिन पटाखा बाजार का स्थान बदलने के प्रशासन के फैसले ने व्यापारियों की चिंता बढ़ा दी है। व्यापारियों का आरोप है कि उनकी राय लिए बिना एकतरफा निर्णय लिया गया। ऐसे में सवाल है कि क्या इस बार मुख्य बाजार से दूर होने के कारण पटाखा कारोबार प्रभावित होगा? मंडला के पटाखा व्यापार के इतिहास में पहली बार दुकानों का आवंटन लॉटरी सिस्टम से किया गया। बड़ी खैरी के छाया कश्मीरे वाले मैदान में 60 पटाखा दुकानों के लिए प्लॉट आवंटित किए गए हैं। व्यापारियों का कहना है कि शहर से दूर बाजार लगने के कारण ग्राहकों की संख्या और बिक्री पर असर पड़ सकता है। वहीं व्यापारी सुरक्षा और व्यवस्थाओं को लेकर भी चिंतित हैं। दूसरी तरफ प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शहर में पटाखा बिक्री के लिए केवल निर्धारित पटाखा बाजार ही मान्य होगा। अन्य स्थानों पर पटाखे बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। लेकिन हैरानी की बात यह है कि प्रशासन की चेतावनी के बावजूद मुख्य बाजार में खुलेआम पटाखों की बिक्री की शिकायतें सामने आ रही हैं। बिना लाइसेंस और बिना अनुमति पटाखा बेचने वालों पर रोक लगाना भी प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती है। अब देखना होगा कि नई जगह पर पटाखा बाजार कितना सफल होता है और प्रशासन नियमों का पालन कराने में कितना कामयाब रहता है।

एकता दिवस : महाविद्यालय में दिलाई एकता की शपथ



गढ़ाकोटा। सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस के अंतर्गत शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय गढ़ाकोटा में मध्य प्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग, मंत्रालय भोपाल के निर्देशानुसार एवं भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. घनश्याम भारती द्वारा महाविद्यालय के समस्त शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाकर किया गया। इस अवसर पर सभी ने राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं सुरक्षा को बनाए रखने तथा देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपना योगदान देने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन, व्यक्तित्व एवं राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान पर आधारित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। इसके साथ ही 'भारत के राजनीतिक एकीकरण में सरदार वल्लभभाई पटेल का योगदान' विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपने विचार प्रस्तुत किए।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. घनश्याम भारती ने अपने उद्बोधन में कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल का जीवन राष्ट्रसेवा, दृढ़ संकल्प एवं राष्ट्रीय एकता का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने स्वतंत्रता के पश्चात विभिन्न रियासतों का एकीकरण कर भारत को एक सशक्त एवं अखंड राष्ट्र बनाने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। आज के समय में उनके आदर्शों को आत्मसात करना और देश की एकता एवं अखंडता को बनाए रखना हम सभी का नैतिक दायित्व है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखें तथा एक सशक्त, समरस एवं एकजुट भारत के निर्माण में अपना योगदान दें।

कार्यक्रम को सफल बनाने में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ प्रभारी श्रीमती शिम्पी मौर्य एवं कार्यक्रम प्रभारी श्री चंद्रप्रताप मरकाम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

'सुरक्षित बचपन अभियान'

राज्य स्तरीय शुभारंभ 'उड़ान' कार्यशाला का आयोजन



अमरकंटक । सुरक्षित बचपन अभियान' का राज्य स्तरीय शुभारंभ कार्यक्रम एवं एक दिवसीय 'उड़ान' कार्यशाला का आयोजन इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, जिला अनूपपुर में किया गया।कार्यक्रम माननीय प्रशासनिक न्यायाधिपति, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय एवं कार्यपालक अध्यक्ष, मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण श्री विवेक रूसिया जी, माननीय न्यायमूर्ति श्री दीपक खोत, मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की सदस्य सचिव सुश्री सुमन श्रीवास्तव तथा अन्य माननीय न्यायाधीशगण की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ।उक्त कार्यक्रम का शुभारंभ ङ्घश्वह्लङ्घह्वड्डद्द के माध्यम से सीधे प्रसारण से किया गया। इस अवसर पर सागर में ए.डी.आर. भवन के सभाकक्ष में माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश / अध्यक्ष श्री एम.के. शर्मा, जिला न्यायाधीश श्री सुधांशु सक्सेना, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव / जिला न्यायाधीश श्री संतोष सैनी, जिला न्यायाधीश श्रीमती नेहा श्रीवास्तव, जिला न्यायालय के रजिस्ट्रार प्रीतम बंसल, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्रीमती दिव्या भलावी एवं लगभग 60 छात्र-छात्राएं उपस्थित रहीं।

अध्यक्ष एम.के. शर्मा ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में विद्यार्थी मोबाइल के दुरुपयोग से बचते हुए उसका सदुपयोग कर अपनी शिक्षा को प्रभावी बना सकते हैं। उन्होंने 'गुड टच-बैड टच' की जानकारी देते हुए कहा कि बच्चे चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।रिसोर्स पर्सन डॉ. स्मिता दुबे (एम.बी.बी.एस., डी.जी.ओ.) ने शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य एवं भावनात्मक कल्याण, पर्याप्त नींद, व्यायाम, आधुनिक उपकरणों के सीमित प्रयोग, बीमारियों से बचाव, लैंगिक हिंसा, ऑनलाइन उत्पीड़न आदि विषयों पर विस्तृत जानकारी दी।प्रीतम बंसल, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, सागर ने उत्कृष्ट जीवनशैली, रोजगार के विकल्प एवं कौशल, लक्ष्य निर्धारण और छात्रवृत्ति के अवसरों पर जानकारी दी।श्रीमती नेहा श्रीवास्तव, विशेष न्यायाधीश पॉक्सो अधिनियम, सागर ने बाल संरक्षण तंत्र, पॉक्सो अधिनियम 2012 के मुख्य प्रावधान, रिपोर्टिंग प्रणाली, बाल सुरक्षा उपाय तथा राज्य एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की भूमिका और मुफ्त कानूनी सहायता विषय पर जानकारी दी।श्री अम्बर तिवारी, कार्यवाहक प्रधान आरक्षक, साइबर फॉरेंसिक यूनिट जोन, सागर ने सोशल मीडिया का सुरक्षित उपयोग, साइबर बुलिंग और उसके जोखिम एवं कानूनी उपायों पर जानकारी दी।कार्यक्रम के समापन पर सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री संतोष सैनी ने कहा कि बच्चे ही देश का भविष्य हैं और उनकी सुरक्षा, शिक्षा एवं सर्वांगीण विकास हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। प्रत्येक बालिका को भयमुक्त वातावरण में शिक्षा प्राप्त करने, सम्मानपूर्वक जीवन जीने तथा अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का अधिकार है।कार्यशाला में संवाद के दौरान न्याय संबंधी विषयों पर उत्कृष्ट जिज्ञासा प्रकट करने वाले 10 विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया गया।

दीपावली पर्व : नगर में चला सफाई अभियान

खुरई। दीपावली पर्व को दृष्टिगत रखते हुए नगर पालिका परिषद खुरई द्वारा संपूर्ण नगरीय क्षेत्र में विशेष स्वच्छता महाअभियान चलाया जा रहा है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) राजेश मेहतेले ने बताया कि के नगर के सभी वार्डों में स्वच्छता गतिविधियों को प्राथमिकता के साथ संचालित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत नगर की गलियों, प्रमुख मार्गों, सड़कों, चौक-चौराहों, नाला-नालियों सहित सार्वजनिक स्थलों की विशेष साफ-सफाई कर नगर को स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में आज नगर के कुशाभाऊ ठाकरे वार्ड में विशेष स्वच्छता अभियान के तहत व्यापक स्तर पर साफ-सफाई करवाई गई। वार्ड के विभिन्न क्षेत्रों में सफाई कर्मचारियों द्वारा नियमित सफाई के साथ-साथ विशेष सफाई गतिविधियां संचालित की गईं। नाला-नालियों की सफाई कर उनमें जमा कचरे एवं गंदगी को हटाया गया तथा जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक कार्य किए गए। इसके साथ ही वार्ड की गलियों, आंतरिक मार्गों, मुख्य सड़कों एवं चौक-चौराहों की व्यवस्थित रूप से साफ-सफाई करवाई गई, जिससे वार्ड का वातावरण स्वच्छ एवं सुंदर बना रहे।कुशाभाऊ ठाकरे वार्ड में संचालित विशेष स्वच्छता गतिविधियों का स्वच्छता पर्यवेक्षक नीतेश श्रीवास्तव द्वारा मौके पर पहुंचकर जायजा लिया गया। उन्होंने वार्ड में विभिन्न स्थानों पर चल रहे सफाई कार्यों का निरीक्षण करते हुए संबंधित स्वच्छता सुपरवाइजर फिरोज खान* को निर्देशित किया कि संपूर्ण वार्ड में बेहतर साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए। विशेष रूप से नाला-नालियों की नियमित सफाई एवं उनकी सुचारू निकासी व्यवस्था पर ध्यान दिया जाए, ताकि कहीं भी गंदगी, कचरा अथवा जलभराव की स्थिति निर्मित न हो। उन्होंने निर्देश दिए कि वार्ड के प्रत्येक गली-मोहल्ले एवं सार्वजनिक स्थल पर सफाई व्यवस्था प्रभावी रूप से बनाए रखी जाए तथा जिन स्थानों पर अतिरिक्त सफाई की आवश्यकता है, वहां विशेष ध्यान देते हुए तत्काल सफाई करवाई जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि सफाई कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही न हो और निर्धारित व्यवस्था के अनुसार नियमित रूप से स्वच्छता गतिविधियां जारी रहें।नगर पालिका परिषद द्वारा दीपावली पर्व के मद्देनजर चलाया जा रहा यह विशेष स्वच्छता महाअभियान नगर के सभी वार्डों में निरंतर जारी रहेगा। अभियान का उद्देश्य केवल पर्व के अवसर पर सफाई करना ही नहीं, बल्कि नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए नगर में स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण निर्मित करना भी है। नगर पालिका परिषद ने नगरवासियों से भी अपील की है कि वे अपने घरों एवं प्रतिष्ठानों के आसपास साफ-सफाई बनाए रखें,नाला-नालियों में कचरा न फेंकें। स्वच्छता के इस अभियान में जनसहभागिता सुनिश्चित कर खुरई नगर को स्वच्छ, सुंदर एवं आदर्श नगर बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें

जिले की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा पशुपालन

मंडला, यशभारत। प्रदेश के 'वृंदावन गांवों' में आयोजित की जा रही गोपाल कृष्ण ग्राम पुरस्कार प्रतियोगिताओं के तहत, शासकीय पशु चिकित्सालय पिंडरई में एक विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रदेश की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता की। उन्होंने सर्वप्रथम विधि-विधान से गौमाता का पूजन किया और इसके पश्चात उत्कृष्ट दुग्ध उत्पादन करने वाले पशुपालकों को नकद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गौमाता का अत्यंत विशेष और पूजनीय स्थान है। उन्होंने कहा कि पशुपालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। किसान भाई खेती के साथ-साथ पशुपालन और दुग्ध उत्पादन जैसी सहायक गतिविधियों को अपनाकर अपनी आय दोगुनी कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सरकार जैविक खेती और पशुपालन को निरंतर प्रोत्साहित कर रही है। ऐसी प्रतियोगिताओं से पशुपालकों में न केवल स्वस्थ प्रतिस्पर्धा बढ़ती है, बल्कि उन्हें बेहतर नस्ल के पालन की प्रेरणा भी मिलती है। पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देना है। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पशुपालकों को क्रमशः प्रथम (1 लाख रुपये), द्वितीय (50 हजार रुपये) और तृतीय (25 हजार रुपये) पुरस्कार से नवाजा गया।



शासकीय आदेश का उल्लंघनः गढ़ाकोटा और सजरा के शासकीय स्कूलों में नहीं की गई रोशनी

जिला शिक्षा अधिकारी सागर के आदेश की अनदेखी, प्राचार्यों ने नहीं उठाए फोन

गढ़ाकोटा (सागर)। शासन के निर्देशों का गढ़ाकोटा नगर और ग्राम पंचायत सजरा के शासकीय स्कूलों में खुला उल्लंघन सामने आया है।

जिला शिक्षा अधिकारी, सागर द्वारा 30 अक्टूबर 2026 को जिले के सभी शासकीय हाईस्कूल / हायर सेकेंडरी स्कूलों को आदेश दिया गया था कि 1 नवंबर की रात विद्यालय भवनों में अनिवार्य रूप से रोशनी (लाईटिंग) की जाए। **लेकिन जमीनी हकीकत ये रहीः** - शास. बालक उत्कृष्ट माध्यमिक विद्यालय गढ़ाकोटा - शास. कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गढ़ाकोटा - संदीपनी शास. साबूलाल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गढ़ाकोटा - ग्राम पंचायत सजरा के एकीकृत प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में रात में कहीं भी रोशनी की व्यवस्था नहीं की गई। आदेश की कॉपी लोक शिक्षण संचालनालय, कलेक्टर सागर, जिला पंचायत ष्टश्वह्व



और संभागीय संयुक्त संचालक तक भेजी गई थी, फिर भी पालन नहीं हुआ।

जिम्मेदारी किसकी? स्थानीय पत्रकारों ने जब संस्था प्रभारियों से संपर्क करना चाहा तो फोन तक नहीं उठाया गया।अब सवाल है कि जिला शिक्षा अधिकारी इस मामले पर संबंधित प्राचार्यों को नोटिस देकर जवाब-तलब करेंगे या नहीं।

जिला योजना भवन में नरवाई प्रबंधन पर कार्यशाला

मंडला, यशभारत। जिला योजना भवन सभागार में अपर कलेक्टर श्रीमती सोनल सिडाम की अध्यक्षता में नरवाई/पराली प्रबंधन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जिले के समस्त कंबाइन हार्वेस्टर संचालकों एवं कस्टम हायरिंग केन्द्र संचालकों की बैठक ली गई। बैठक में निर्देश दिए गए कि समस्त हार्वेस्टर में स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम का अनिवार्य रूप से उपयोग किया जाए। एसएमएस सिस्टम धान की नरवाई को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट देता है, जिससे अगली फसल की तैयारी कल्टीवेटर, रोटावेटर या सुपर सीडर से आसानी से की जा सकती है, जिससे समय व लागत दोनों की बचत होती है। एसएमएस पर शासन द्वारा 59 हजार 700 रूपये तक अनुदान दिया जा रहा है, जिसके लिए द्धह्लह्लश्चः//222.द्बश्चस्रड्डद्द.श्रह्द पर 5 नवंबर तक ऑनलाइन आवेदन किए जा सकते हैं। संयुक्त संचालक कृषि, जबलपुर संभाग एवं कृषि यंत्री द्वारा सुपर सीडर, हैप्पी सीडर, रोटावेटर, हे-रेक, बेलर, स्ट्रा रीपर आदि यंत्रों की उपयोगिता बताई गई। किसानों से नरवाई में आग न लगाने की अपील की गई, इससे वायु प्रदूषण होता है और मिट्टी की उर्वरता नष्ट होती है। बायो गैस प्लांट कौरगांव के संचालक श्री दिनेश पोपतानी ने बताया कि कंपनी अमित बायोग्रीन सोल्यूशन्स द्वारा धान, गेहूँ, मक्का की नरवाई के बेल 1.50 से 2 रूपये प्रति किलो की दर से खरीदे जा रहे हैं।

महीनों से मानदेय न मिलने पर रसोईयों में भारी आक्रोश

घुघरी में रसोइया उत्थान संघ की बैठक , दो दिन में भुगतान नहीं हुआ तो कलेक्ट्रेट के सामने करेंगे अनशन

मंडला, यशभारत। सरकारी स्कूलों में मध्याह्न भोजन पकाने वाले रसोईयों को महीनों से मानदेय न मिलने के कारण उनमें भारी असंतोष और आक्रोश व्याप्त है। अपनी मांगों और अधिकारों को लेकर 1 नवंबर को घुघरी ब्लॉक मुख्यालय में रसोइया उत्थान संघ समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जहां एक ओर संगठन का विस्तार कर नई कार्यकारिणी का गठन किया गया, वहीं दूसरी ओर प्रशासन को खुली चेतावनी दी गई है कि यदि उनकी मांगे जल्द पूरी नहीं हुईं तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

पांच-छह साल से नहीं मिला जून का मानदेय

बैठक में मानदेय के लंबित भुगतान का मुद्दा प्रमुखता से छाया रहा। उपस्थित रसोईयों ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए बताया कि कई महीनों से उन्हें मानदेय समय पर नहीं मिल रहा है, जिससे उनके सामने परिवार के भरण-पोषण और आजीविका का गंभीर संकट खड़ा हो गया है।



रसोईयों ने बताया कि जुलाई माह का मानदेय अभी हाल ही में जारी किया गया है, लेकिन कई रसोईयों के खातों में वह भी नहीं पहुंचा है। उनका सबसे गंभीर आरोप यह है कि पिछले पांच-छह वर्षों से उन्हें जून माह का मानदेय दिया ही नहीं जा रहा है। शासन-प्रशासन को इस संबंध में कई बार लिखित आवेदन और ज्ञापन सौंपे गए, लेकिन आज तक कोई सुनवाई नहीं हुई।

दो दिन का अल्टीमेटम, फिर होगा धरना-अनशन

बार-बार की अनदेखी से आक्रोशित रसोईयों ने बैठक में सर्वसम्मति से यह कड़ा निर्णय लिया है कि यदि प्रशासन द्वारा दो दिन के भीतर उनके सभी लंबित मानदेय का पूर्ण भुगतान नहीं किया गया, तो वे जिला मुख्यालय कूच करेंगे। जिले भर के रसोइए एकजुट होकर मंडला कलेक्ट्रेट के सामने अनिश्चितकालीन धरना और अनशन शुरू करेंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

नई ब्लॉक कार्यकारिणी का हुआ गठन

आंदोलन की रूपरेखा तय करने के साथ ही, बैठक में संगठन के संस्थापक व संयोजक पी.डी. खैरवार की सहमति से ब्लॉक स्तरीय समिति का विस्तार किया गया। सर्वसम्मति से गठित इस नवीन ब्लॉक कार्यकारिणी में इंद्रवती मरकाम को ब्लॉक अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा सकुन मसराम को सचिव, भारती बाई और उर्मिला मार्को को कोषाध्यक्ष, श्याम बती को उपाध्यक्ष तथा शांति बाई को सहयोगी सदस्य के रूप में चयनित किया गया है। इस महत्वपूर्ण बैठक में घुघरी ब्लॉक की बड़ी संख्या में रसोइया महिलाएं उपस्थित रहीं।

संगठन को मजबूत बनाने पर जोर

बैठक में मानदेय भुगतान के साथ-साथ संगठन की मजबूती और रसोइयों के अधिकारों के लिए एकजुट होकर संघर्ष करने पर भी चर्चा हुई। उपस्थित सदस्यों ने कहा कि संगठित प्रयासों के माध्यम से ही रसोइयों की समस्याओं को प्रभावी ढंग से प्रशासन के सामने रखा जा सकता है। इसके लिए ब्लॉक स्तर पर संगठन का विस्तार कर जिम्मेदार पदाधिकारियों को दायित्व सौंपने का निर्णय लिया गया।

लोक परोपकारी मंच ने चार ज्वलंत जनसमस्याओं के निराकरण की उठाई मांग

मंडला, यशभारत। जिले के समग्र विकास में बाधक बन रही चार प्रमुख और ज्वलंत जनसमस्याओं को लेकर 'लोक परोपकारी मंच, मंडला' ने जिला कलेक्टर को एक ज्ञापन सौंपा है। मंच के पदाधिकारियों ने इन समस्याओं पर तत्काल संज्ञान लेने और ठोस कार्रवाई करने की मांग की है। लोक परोपकारी मंच के पी.डी. खैरवार और चंद्रगुप्त नामदेव ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जनहित के इन मुद्दों पर लगातार पत्राचार और आवेदन किए जा रहे हैं, लेकिन नतीजे अब तक 'सिफर' (शून्य) ही रहे हैं। समस्याओं का समाधान न होने से शासन की योजनाओं पर जनता का विश्वास घट रहा है, जो एक गंभीर विचारणीय विषय है। हालांकि, मंच ने स्पष्ट किया है कि जनहित में उनके प्रयास अनवरत जारी रहेंगे। मंच ने ज्ञापन में बताया कि मंडला जिले में पिछले कई वर्षों से 1 और 2 रुपये के सिक्कों का चलन अघोषित रूप से बंद है, जबकि पड़ोसी जिलों में ये सिक्के धड़ल्ले से चल रहे हैं। सिक्कों के चलन में न होने से हर आम ग्राहक आर्थिक रूप से प्रभावित हो रहा है।

सिवनी में स्थापित होगा फूड पार्क: मुख्यमंत्री

किसानों की मेहनत, लगन और नवाचार से कृषि के क्षेत्र में नित्य नई उपलब्धि हासिल कर रहा मध्यप्रदेश- मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सिवनी यशभारत।



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार किसानों के कल्याण, उनकी आय में वृद्धि और कृषि क्षेत्र को अधिक लाभकारी बनाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़ने, कृषि विविधीकरण को प्रोत्साहित करने तथा कृषि उत्पादों का बेहतर मूल्य दिलाने के लिए सरकार द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ यादव 02 नवंबर को सिवनी जिले की सिमरिया मंडी प्रांगण में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शिवधाम मठघोघरा में विराजे भगवान महादेव तथा जीवनदायिनी वैनगंगा के जल से सिंचित सिवनी की पावन धरा को नमन करते हुए अपने संबोधन की शुरुआत की। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि प्रदेश में कृषि को केवल पारंपरिक खेती तक सीमित न रखते हुए उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन और खाद्य प्रसंस्करण जैसी गतिविधियों से जोड़कर किसानों की आय के नए अवसर विकसित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के किसान अपनी मेहनत, लगन और नवाचार से कृषि उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। किसानों के परिश्रम से ही मध्यप्रदेश कृषि के क्षेत्र में निरंतर नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। सरकार का प्रयास है कि किसानों को खेती के प्रत्येक चरण में आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हों और उनकी उपज का उचित मूल्य मिले।

जीराशंकर चॉवल और सीताफल से सिवनी जिले की अलग पहचान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिवनी की कृषि विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि जिले का जीराशंकर चॉवल अपनी विशिष्ट सुगंध और स्वाद के कारण अलग पहचान रखता है। साथ ही बड़े आकार और मिठास से भरपूर सिवनी का जंबो सीताफल भी जिले की विशेष पहचान बन रहा है। जिले में टमाटर, मिर्च, अलसी, सरसों और सूरजमुखी जैसी फसलों की खेती भी किसानों के लिए महत्वपूर्ण संभावनाएं प्रस्तुत करती है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कृषि उत्पादों का स्थानीय स्तर पर प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन होने से किसानों को अपनी उपज का बेहतर मूल्य मिले, इसी उद्देश्य से सिवनी में शीघ्र ही फूड पार्क की स्थापना की जाएगी। इससे कृषि आधारित उद्योगों को प्रोत्साहन मिलेगा तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर विकसित होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मत्स्य बीज उत्पादन कर किसानों एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने की दिशा में जिले के जेवनारा मत्स्य बीज परिक्षेत्र की भूमिका को विशेष रूप से रेखांकित किया।

धान उपार्जन पंजीयन की तिथि बढ़ाई

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रबी फसलों की सिंचाई के दौरान किसानों को बिजली की उपलब्धता में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए दिन के समय 10 घंटे निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। इससे किसानों को रात के समय सिंचाई की मजबूरी से राहत मिलेगी और वे सुविधाजनक ढंग से अपनी फसलों की सिंचाई कर सकेंगे। उन्होंने धान उपार्जन का उल्लेख करते हुए कहा कि किसानों की सुविधा और अधिकाधिक पात्र किसानों को समर्थन मूल्य पर उपज विक्रय का अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से धान उपार्जन के पंजीयन की अंतिम तिथि 04 नवंबर तक बढ़ाई गई है। कोई भी पात्र किसान पंजीयन से वंचित न रहे, इस दिशा में आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

गौरीशंकर मंदिर में चोरी की कोशिश नाकाम

ताला तोड़ने घुसाई लोहे की सरिया छोड़ भागे तीन चोर, नगर में मंदिरों में चोरी की चौथी घटना से बढ़ी चिंता



सिवनी यशभारत। छपारा के बस स्टैंड परिसर के समीप स्थित प्राचीन गौरीशंकर मंदिर में 2 नवंबर की सुबह करीब 3 बजे तीन अज्ञात चोरों ने चोरी करने का प्रयास किया। हालांकि मंदिर के ठीक सामने रहने वाले एक युवक की सतर्कता के चलते चोर अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हो सके और मौके से भाग निकले।

जानकारी के अनुसार, तीनों अज्ञात चोर मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार की ग्रील में लगे ताले को लोहे की सरिया से तोड़ने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान मंदिर के सामने रहने वाले युवक की नींद खुल गई। युवक ने जैसे ही अपने घर का दरवाजा खोला, चोर घबरा गए और ताले में फंसाई गई लोहे की सरिया वहीं छोड़कर भागने लगे। युवक ने उन्हें पकड़ने के लिए पीछा भी किया, लेकिन तीनों आरोपी स्कूटी से फरार होने में सफल रहे।

सुबह युवक ने घटना की जानकारी मंदिर समिति के सदस्यों एवं पुजारी को दी। सूचना पर डायल 112 की एफआरवी टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस मामले को गंभीरता से लेते हुए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है, ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके।



मंदिरों में चोरी की घटनाओं से बढ़ी चिंता

गौरतलब है कि नगर एवं आसपास के क्षेत्र में मंदिरों को निशाना बनाए जाने की यह चौथी घटना है। इससे पूर्व शहीद वार्ड स्थित सुभाष ग्राउंड के मारुति नंदन हनुमान मंदिर से चांदी की चरण पादुकाएं, खैर माई मढ़िया के सामने स्थित हनुमान मंदिर की प्रतिमा से चांदी का मुकुट तथा ग्राम माल्हनवाड़ा के बंजारी माता मंदिर से प्रतिमा की चांदी की पायल और दानपात्र की नकदी चोरी हो चुकी है। लगातार सामने आ रही इन घटनाओं से धार्मिक स्थलों की सुरक्षा को लेकर श्रद्धालुओं एवं नागरिकों में चिंता बढ़ने लगी है।

संक्षिप्त खबर

भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिलाध्यक्ष रविशंकर पाल का प्रथम आगमन पर स्वागत

बंडोल/सिवनी। भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला अध्यक्ष रविशंकर पाल का जिलाध्यक्ष बनने के बाद प्रथम बार बंडोल आगमन हुआ। इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने उनका आत्मीय स्वागत कर पुष्पमालाओं से अभिनंदन किया।इस दौरान कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। सभी ने रविशंकर पाल को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की। स्वागत कार्यक्रम में भगवान यादव , अमित चौरसिया, दादूराम सनाडय, कन्हैया यादव,अमन यादव,दिनेश वर्मन सूरज प्रजापति ,विमल पंडित जी सहित भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा नीति एवं शोध सहप्रभारी रमेश वर्मा, भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला कोषाध्यक्ष श्री राम प्रसाद राहंगडाले, जिला लाभार्थी संपर्क प्रमुख श्रीमती सरस्वती सनोडिया ,श्रीमती पुष्पा पाल , जिला नीति शोध प्रभारी नारायण बिसेन , जिला सह कोषाध्यक्ष राकेश पटेल , सहित आई टी सेल जिला प्रभारी नरेश उर्फ नीलू यादव,भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के कार्यकर्ता एवं शुभचिंतक उपस्थित रहे।

चंचल जैन की सफलता



लखनादौन। मध्य प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर जबलपुर में जिला स्तरीय निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया , जिसमें पूरे जबलपुर जिले के स्कूल के 7000 बच्चों और प्रतिभास्थली की बेटियों ने भी भाग लिया उसमें हमारे नगर की बेटी चंचल जैन , (जैन पंचायत सभा के मीडिया प्रभारी , वरिष्ठ पत्रकार राजेश जैन डॉली की बेटी) ने 7000 बच्चों में प्रथम स्थान प्राप्त किया, बिटिया ने शील्ड के साथ 26000 / का प्रथम पुरस्कार भी बेटी ने जीता । कार्यक्रम महारानी लक्ष्मीबाई स्कूल एमएलबी ग्राउंड राइट टाउन जबलपुर में आयोजित हुआ, चंचल जैन की सफलता पर जैन समाज ने आशीर्वाद और बधाई दी।



अपेक्स बैंक के प्रशासक महेंद्र सिंह का समिति कर्मचारियों ने किया भव्य स्वागत

सिवनी यशभारत। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बैंक (अपेक्स बैंक), भोपाल के प्रशासक महेंद्र सिंह यादव के आगमन पर मध्यप्रदेश सहकारी समिति कर्मचारियों द्वारा आत्मीय एवं जोरदार स्वागत-अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित कर्मचारियों एवं महासंघ के पदाधिकारियों ने उत्साहपूर्वक उनका स्वागत करते हुए पुष्पमालाओं एवं सम्मान के साथ उनके प्रति अपना स्नेह और आदर व्यक्त किया।इस दौरान सहकारी समिति कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न लंबित समस्याओं एवं मांगों से संबंधित ज्ञापन भी सौंपा। ज्ञापन में कर्मचारियों के मानदेय, वरिष्ठता के आधार पर पदोन्नति, खाद्यान्न कमीशन का भुगतान, विक्रेताओं की लंबित राशि तथा सिवनी जिले की 30 नवगठित सहकारी समितियों के पुनर्गठन सहित सात प्रमुख मांगों के शीघ्र निराकरण का अनुरोध किया गया।



घंसौर के प्रद्युम्न मिश्रा ने जीता 'मिस्टर टीन' का खिताब, क्षेत्र का नाम किया रोशन

सिवनी यशभारत। ट्राइडेंट ग्रुप द्वारा आयोजित संस्कारधानी सीजन-2 प्रतियोगिता में घंसौर निवासी 17 वर्षीय प्रद्युम्न मिश्रा ने 'मिस्टर टीन' का खिताब जीतकर अपने क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि से उनके परिवार, मित्रों और क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल है। प्रद्युम्न मिश्रा पिता संजय मिश्रा घंसौर के निवासी हैं। इतनी कम उम्र में यह उपलब्धि हासिल कर उन्होंने अपनी प्रतिभा और मेहनत का परिचय दिया है। इस प्रतियोगिता के आयोजक संजीत सेन एवं जूही मलिक रहे। वहीं ट्राइडेंट ग्रुप के संस्थापक अभिषेक पंडित की महत्वपूर्ण भूमिका रही। प्रतियोगिता के दौरान प्रद्युम्न के कोरियोग्राफर अमन सिंह राजपूत ने उनका मार्गदर्शन किया और उनकी प्रतिभा को निखारने में सहयोग दिया। प्रद्युम्न मिश्रा की इस सफलता में क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणादायक उपलब्धि माना जा रहा है। उनकी इस जीत से परिवार और शुभचिंतकों में उत्साह है। प्रद्युम्न ने अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर यह मुकाम हासिल किया है।

पंचायत चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी ने सिवनी में शुरू की संगठन विस्तार की तैयारी

जिलास्तरीय बैठक में चारों विधानसभा अध्यक्षों का हुआ स्वागत, आठों तहसीलों में संगठनात्मक बैठकें आयोजित करने और पंचायत चुनाव में सभी सीटों पर प्रत्याशी उतारने के जिला अध्यक्ष ने दिए निर्देश



सिवनी यशभारत। आम आदमी पार्टी जिला सिवनी की जिलास्तरीय संगठनात्मक बैठक 01 नवंबर को कटंगी रोड स्थित जायसवाल कॉलोनी के कैटरपिलर्स लैब में आयोजित की गई। बैठक में जिले के प्रमुख पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की। बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले में संगठन को और अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनाने, पार्टी की विचारधारा को ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाने तथा आगामी पंचायत चुनावों को लेकर संगठनात्मक रणनीति तैयार करना रहा। बैठक में जिला अध्यक्ष रघुवीर सिंह सनोडिया ने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि जिले की चारों विधानसभा क्षेत्रों और सभी आठ तहसीलों में क्रमबद्ध तरीके से संगठनात्मक बैठकें आयोजित की जाएं। पार्टी की विचारधारा, नीतियों एवं जनहित से जुड़े मुद्दों को गांव-गांव तक पहुंचाया जाए तथा प्रत्येक क्षेत्र में सक्रिय कार्यकर्ताओं की टीम तैयार कर संगठन का विस्तार किया जाए। उन्होंने पंचायत चुनाव की तैयारियों पर विशेष जोर देते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी का लक्ष्य पंचायत चुनाव में पंच से लेकर जिला पंचायत सदस्य तक प्रत्येक सीट पर अपने उम्मीदवार उतारने का है। इसके लिए अभी से गांवों में संगठन की उपस्थिति मजबूत करने, स्थानीय समस्याओं को समझने और जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की आवश्यकता है।

नवनियुक्त विधानसभा अध्यक्षों का फूल-मालाओं से हुआ स्वागत, संगठन विस्तार की जिम्मेदारी सौंपी

बैठक के दौरान जिला अध्यक्ष रघुवीर सिंह सनोडिया की उपस्थिति में नवनियुक्त विधानसभा अध्यक्षों का फूल-मालाओं से स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इनमें सिवनी विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती मीना जायसवाल, बरघाट विधानसभा अध्यक्ष राजकुमार सिरसाम, लखनादौन विधानसभा अध्यक्ष रामस्वरूप पंद्रे एवं केवलारी विधानसभा अध्यक्ष पंकज बघेल शामिल रहे। जिला अध्यक्ष ने सभी नवनियुक्त अध्यक्षों से अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में संगठन को सक्रिय करने और अधिक से अधिक लोगों को पार्टी की विचारधारा से जोड़ने की अपेक्षा व्यक्त की। बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने जिला अध्यक्ष द्वारा निर्धारित संगठनात्मक लक्ष्यों और निर्देशों को स्वीकार करते हुए उन्हें पूरा करने के लिए जमीनी स्तर पर सक्रियता से कार्य करने की प्रतिबद्धता जताई। बैठक में शशिकांत राय, सुनील अग्रवाल, अनिल बघेल, सुनील जर्गे, अखिलेश शर्मा, श्रीमती लक्ष्मी यादव, मनीष शुक्ला, अमर यादव, अमित पटेल, राधेश्याम पटेल, रिजवान अहमद सहित जिले के अन्य कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। उक्त प्रेस विज्ञप्ति आप जिला प्रवक्ता प्रफुल्ल बिटले द्वारा जारी की गई।

ग्राम आमाकोला में जुआ खेलते 5 आरोपी गिरफ्तार, 35,200 नगद जब्त

गौसाई मंदिर के सामने खुले मैदान में चल रहा था जुआ, लखनवाड़ा पुलिस ने की कार्रवाई

सिवनी यशभारत। जिले में जुआ खेलने और खिलाने वालों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना लखनवाड़ा पुलिस ने ग्राम आमाकोला में कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से 35,200 नकद और 52 ताश के पत्ते जब्त किए हैं। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी (भा.पु.से.) के निर्देश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी सिवनी चंचलेश मरकाम के नेतृत्व में जुआरियों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में थाना प्रभारी लखनवाड़ा निरीक्षक फगन सिंह मरकाम ने पुलिस टीम गठित कर कार्रवाई के निर्देश दिए।

1 नवंबर को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम आमाकोला में गौसाई मंदिर के सामने खुले मैदान में कुछ लोग हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने सतीश सनोडिया एवं यशवंत रजक, दोनों निवासी आमाकोला को गवाह के रूप में साथ लेकर मौके पर घेराबंदी की और दबिश दी। पुलिस ने जुआ खेलते हुए पांच आरोपियों को रंगे हाथ पकड़ा। मौके से 35,200 नकद एवं 52 ताश के पत्ते जब्त किए गए।

पुलिस की सराहनीय भूमिका

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक फगन सिंह मरकाम, सहायक उपनिरीक्षक हरिओम भारद्वाज, प्रधान आरक्षक 381 आत्माराम सिमोनिया, प्रधान आरक्षक 202 शिवदीप ठाकुर, प्रधान आरक्षक 645 दीपेश रघुवंशी, आरक्षक 134 अमित रघुवंशी, आरक्षक 716 वीरेंद्र चंदेल एवं आरक्षक 819 मिथिलेश पराडकर की सराहनीय भूमिका रही।

इन आरोपियों पर हुई कार्रवाई

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हिमेश पिता स्व. विनोद माना ठाकुर (19 वर्ष), निवासी रानी दुर्गावती वार्ड, सिवनी; शिवराम पिता संतलाल यादव (38 वर्ष), निवासी आमाकोला; अरुण पिता धनलाल धुर्वे (27 वर्ष), निवासी द्वारका नगर, सिवनी; विक्रम पिता सुरेश सतनामी (26 वर्ष) तथा सत्यम पिता संतोष विश्वकर्मा (19 वर्ष), दोनों निवासी चांवडी, थाना लखनवाड़ा के रूप में की है। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध थाना लखनवाड़ा में अपराध क्रमांक 482/2026, धारा 13 जुआ एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया है।

कुरई और केवलारी कॉलेज में गूंजा 'जन सुरक्षा-युवा सृजन संवाद'

साइबर सुरक्षा, महिला एवं बाल संरक्षण, सड़क सुरक्षा और नशामुक्ति पर पुलिस ने किया जागरूक



सिवनी यशभारत। युवाओं को कानून के प्रति जागरूक बनाने, उन्हें जिम्मेदार नागरिक के रूप में तैयार करने तथा समाज में सुरक्षा और संवेदनशीलता की भावना विकसित करने के उद्देश्य से पुलिस मुख्यालय मध्यप्रदेश भोपाल की नवाचारी पहल 'जन सुरक्षा-युवा सृजन संवाद' के अंतर्गत शासकीय महाविद्यालय कुरई एवं शासकीय महाविद्यालय केवलारी में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। दोनों महाविद्यालयों में 500 से अधिक छात्र-छात्राओं एवं स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

पुलिस अधीक्षक सिवनी कृष्ण लालचंदानी (भा.पु.से.) के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रमों में एसडीओपी केवलारी कु. अनीशा जैन की विशेष उपस्थिति रही। प्रभारी नियंत्रण कक्ष निरीक्षक ओमेश्वर ठाकरे ने विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें सुरक्षा, कानून, सामाजिक दायित्व और युवाओं की सकारात्मक भूमिका के संबंध में जानकारी दी।

इसके साथ ही सड़क सुरक्षा, नशामुक्ति, हिंसा की रोकथाम, प्राथमिक प्रतिक्रिया देने वाली पुलिस की भूमिका, डायल-112 और आपदा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक किया गया। मानसिक स्वास्थ्य एवं हार्टफुलनेस के माध्यम से सकारात्मक सोच और संतुलित जीवनशैली का महत्व बताया गया। युवाओं को समाज में सकारात्मक बदलाव लाने वाले 'चेंज मेकर' के रूप में आगे आने के लिए प्रेरित किया गया। पुलिस की कार्यप्रणाली को समझाने के उद्देश्य से ऊर्जा डेस्क, साइबर सेल और सीसीटीएनएस जैसी पुलिस व्यवस्थाओं के संबंध में भी जानकारी दी गई, ताकि विद्यार्थी पुलिस की सेवाओं और सहायता प्रणालियों से परिचित हो सकें।

दोनों महाविद्यालयों के प्राध्यापकों की रही सहभागिता

शासकीय महाविद्यालय कुरई में प्राचार्य बी.एस. बघेल, युवा सृजन संवाद प्रभारी जय प्रकाश मेरावी, स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रभारी कु. अग्रता स्वामी, एनएसएस अधिकारी पवन कुमार सोनिक एवं रेडक्रॉस प्रभारी निधि डेहरिया उपस्थित रहे। वहीं, शासकीय महाविद्यालय केवलारी में प्राचार्य डॉ. आर.के. ठाकुर, सहायक प्राध्यापक रामेश्वर धुर्वे, एनएसएस अधिकारी अंकित कुमार मर्सकोले, डॉ. मिश्र एवं डॉ. मानेश्वर की सहभागिता रही। इसके अतिरिक्त पीएम एक्सीलेंस कॉलेज के मास्टर ट्रेनर कमलेश टेंभरे, आलोक एडे एवं विवेक ठाकरे भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को संदेश दिया गया कि कानून की जानकारी, सामाजिक जिम्मेदारी और तकनीकी सतर्कता के साथ युवा न केवल स्वयं को सुरक्षित रख सकते हैं, बल्कि समाज में अपराधों की रोकथाम और सकारात्मक बदलाव लाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

विधायक दिनेश राय ने हरी झंडी दिखाकर किया मोगली बाल उत्सव का शुभारंभ

55 जिलों से पहुंचे 288 प्रतिभागी, प्रकृति और वन्यजीवन को करीब से जानेंगे



सिवनी यशभारत। पेंच राष्ट्रीय उद्यान के ग्राम टुरिया में राज्य स्तरीय मोगली बाल उत्सव का शुभारंभ आज विधायक श्री दिनेश राय ने जंगल सफारी के लिए हरी झंडी दिखाकर किया। 02 से 04 नवंबर तक आयोजित इस तीन दिवसीय उत्सव में प्रदेश के 55 जिलों से लगभग 288 विद्यार्थी एवं मार्गदर्शी शिक्षिकाएं सहभागिता कर रहे हैं।

राज्य स्तरीय आयोजन में प्रदेश के प्रत्येक जिले से कनिष्ठ वर्ग के एक बालक, एक बालिका तथा वरिष्ठ वर्ग के एक बालक एवं एक बालिका और एक मार्गदर्शी शिक्षिका सहित कुल 05 प्रतिभागी शामिल हैं। आयोजक जिला सिवनी से कनिष्ठ वर्ग के 04 बालक, 04 बालिका तथा वरिष्ठ वर्ग के 04 बालक, 04 बालिका एवं 02 मार्गदर्शी शिक्षिकाओं सहित कुल 18 प्रतिभागी सहभागिता कर रहे हैं।

जंगल सफारी, नेचर ट्रेल और ट्रेजर हंट से जानेंगे प्रकृति के रहस्य

मोगली बाल उत्सव के दौरान विद्यार्थियों के लिए प्रकृति एवं वन्यजीवन पर आधारित विभिन्न रोचक और ज्ञानवर्धक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इनमें जंगल सफारी, नेचर ट्रेल, ट्रेजर हंट, वन्यजीव एवं जैव विविधता पर आधारित चित्रकला प्रतियोगिता प्रमुख हैं। नेचर ट्रेल के माध्यम से विद्यार्थी जंगल के प्राकृतिक परिवेश, विभिन्न वनस्पतियों, वन्यजीवों और जैव विविधता का प्रत्यक्ष अवलोकन करेंगे। वहीं ट्रेजर हंट जैसी गतिविधियों के जरिए पहेलियों एवं रोचक कार्यों के माध्यम से वन्यजीवों के रहवास और जंगल के रहस्यों को समझने का अवसर मिलेगा।

इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों को वन एवं वन्यजीव संरक्षण पर आधारित वृत्तचित्रों का प्रदर्शन, वन विभाग के कार्यों एवं वन संपदा के संरक्षण की जानकारी तथा कागज निर्माण प्रक्रिया से परिचित कराने जैसी गतिविधियां भी आयोजित की जाएंगी। कागज के पुन: उपयोग एवं पर्यावरण संरक्षण के महत्व को भी गतिविधियों के माध्यम से समझाया जाएगा।

पेंच के प्राकृतिक परिवेश में आयोजित यह उत्सव विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान से आगे बढ़कर प्रकृति को प्रत्यक्ष रूप से देखने, समझने और अनुभव करने का अवसर प्रदान करेगा। इसके माध्यम से विद्यार्थियों में वन्यजीव एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता और जागरूकता विकसित करने का प्रयास किया जाएगा।

प्रकृति से जुड़ाव और अनुभव आधारित शिक्षा है उत्सव का उद्देश्य

मोगली बाल उत्सव का उद्देश्य विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति प्रेम, सरोकार एवं अपनत्व की भावना विकसित करना है। उत्सव के दौरान विद्यार्थी स्वयं अनुभव करके और विभिन्न गतिविधियों एवं दृश्य-श्रव्य माध्यमों से प्रकृति का ज्ञान प्राप्त करेंगे। साथ ही उनमें प्रकृति के रहस्यों को जानने की जिज्ञासा उत्पन्न करने तथा उनकी कल्पनाशीलता, मौलिकता एवं तर्कशक्ति को बढ़ावा देने पर विशेष जोर रहेगा।

समान शिक्षा, समान हक और उज्ज्वल भविष्य के संकल्प के साथ 18 नवंबर को निकलेगी पदयात्रा

संगोष्ठी में शिक्षा के अधिकार और सामाजिक समानता पर हुई चर्चा, नागरिकों से सहभागिता की अपील

चौरई यशभारत।



चौरई के स्थानीय गेस्ट हॉउस मे %समान शिक्षा, समान हक, उज्ज्वल भविष्य% के उद्देश्य को लेकर एक संगोष्ठी का आयोजन सामाजिक संगठन जबलपुर के मूवमेंट ट्वेंटीवन के वरिष्ठ प्रतिनिधियों समान चंद्रशेखर पूर्व कमिश्नर की उपस्थिति मे किया गया जिसमे नगर के पत्रकारगण, अधिवक्ता, समाजसेवी संगठन के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता की। इस दौरान सभी के लिए समान शिक्षा के अधिकार, सामाजिक समानता तथा शिक्षा के प्रति जागरूकता लाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया।

संगोष्ठी में बताया गया कि समान शिक्षा के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से नगर में एक विशाल पदयात्रा 18 नवंबर 2026 को दोपहर 3 बजे निर्धारित स्थान से चमनघाती से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होकर स्टेडियम ग्राउंड पहुंचेगी जहाँ पर सभा का आयोजन किया जाएगा, जिसमें शिक्षा और समान अधिकारों से जुड़े विषयों पर विचार रखे जाएंगे।

जन जागरण यात्रा आयोजक समिति के सदस्यों ने नगर के सभी नागरिकों, सामाजिक संगठनों, युवाओं, बुद्धिजीवियों एवं जनप्रतिनिधियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पदयात्रा में शामिल होकर समान शिक्षा के इस अभियान को सफल बनाएं। आज हुई बैठक मे मुख्य रूपसे राजेश चंद्रवंशी प्राचार्य, अभिषेक वर्मा महिला बाल विकास अधिकारी, पत्रकार धीरज खंडेलवाल, श्याम चौरसिया, जयविंद डेहरिया, अजय सेन, संदीप शर्मा, सहित सभी सामाजिक संगठन एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संपादकीय

बदलते मौसम की बढ़ती चुनौती

मौसम का बदलता मिजाज अब केवल मौसमी घटना नहीं, बल्कि जनजीवन, अर्थव्यवस्था और आपदा प्रबंधन के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। एक चक्रवात की तबाही से उबरने के पहले दूसरे चक्रवात का दस्तक देना इस बात का संकेत है कि प्राकृतिक आपदाओं का स्वरूप लगातार जटिल होता जा रहा है। अर्नब के बाद मुरासु का प्रभाव और देश के बड़े हिस्से में बादल, बारिश, तेज हवाएं तथा तापमान में उतार-चढ़ाव इसी बदलती मौसमी परिस्थितियों की ओर इशारा करते हैं। आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों में तेज हवाओं और भारी बारिश से हुई तबाही, रेल और हवाई सेवाओं का बाधित होना तथा निचले क्षेत्रों में जलभराव की आशंका इसके प्रत्यक्ष उदाहरण हैं।

इस स्थिति का सबसे चिंताजनक पहलू मौसम की अनिश्चितता है। कभी तेज धूप और गर्मी तो कभी अचानक बारिश और ठंड का अहसास सामान्य जनजीवन को प्रभावित कर रहा है। मौसम का यह उतार-चढ़ाव खेती-किसानी से लेकर स्वास्थ्य तक कई क्षेत्रों के लिए परेशानी पैदा कर सकता है। किसानों के लिए बेमौसम बारिश किसी बड़ी आर्थिक चोट से कम नहीं है। खेतों में खड़ी फसल, कटाई के लिए तैयार उपज और खुले में रखा अनाज तेज बारिश तथा ओलावृष्टि से प्रभावित हो सकता है। खासकर उन किसानों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं, जिन्होंने मौसम के पूर्वानुमान के आधार पर फसल की कटाई और भंडारण की योजना बनाई है। ऐसे में कृषि विभाग को किसानों तक समय रहते मौसम संबंधी सूचनाएं पहुंचाने के साथ जरूरी सलाह भी उपलब्ध करानी चाहिए। दूसरी ओर तापमान में अचानक गिरावट का असर बच्चों, बुजुर्गों और कमजोर स्वास्थ्य वाले लोगों पर पड़ सकता है। बदलते मौसम में सर्दी, खांसी, बुखार और सांस संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। शहरों में जलभराव, पेड़ गिरने, बिजली आपूर्ति बाधित होने और यातायात प्रभावित होने जैसी समस्याएं भी सामने आती हैं। आंध्र प्रदेश में चक्रवात के कारण रेल और हवाई सेवाओं का प्रभावित होना बताता है कि प्राकृतिक आपदा का असर केवल प्रभावित तटीय क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि देश की परिवहन और आर्थिक गतिविधियों को भी प्रभावित करता है।

मध्य प्रदेश सहित उत्तर भारत के कई राज्यों में भी मौसम विभाग ने बारिश और तेज हवाओं की चेतावनी दी है। ऐसे में प्रशासन की जिम्मेदारी केवल अलर्ट जारी करने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। संवेदनशील इलाकों की पहचान, जल निकासी की व्यवस्था, बिजली और परिवहन सेवाओं की सुरक्षा तथा आपदा राहत दलों की त्वरित उपलब्धता सुनिश्चित करना जरूरी है। स्थानीय निकायों को नालों की सफाई और जलभराव वाले क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखनी चाहिए। रेलवे और विमानन सेवाओं को भी यात्रियों तक समय पर सूचना पहुंचाने की व्यवस्था मजबूत करनी होगी।

बदलते मौसम के पीछे सक्रिय मौसमी प्रणालियों की भूमिका को समझना जरूरी है। साथ ही जलवायु परिवर्तन के व्यापक प्रभावों, समुद्री तापमान में वृद्धि और चरम मौसमी घटनाओं के बढ़ते जोखिम पर वैज्ञानिक अध्ययन और दीर्घकालीन नीति की आवश्यकता है। हर आपदा के बाद राहत और बचाव कार्य करना पर्याप्त नहीं है। हमें ऐसी व्यवस्था विकसित करनी होगी, जो आपदा आने से पहले नुकसान कम करने में सक्षम हो। मौसम पूर्वानुमान की तकनीक, स्थानीय स्तर पर चेतावनी प्रणाली और आपदा प्रबंधन की तैयारियों को मजबूत करना समय की मांग है। मौसम विभाग की चेतावनी तभी सार्थक होगी, जब वह समय रहते आम नागरिक तक पहुंचे और उसके आधार पर जरूरी तैयारी भी हो। नागरिकों को भी चेतावनी के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचने, सुरक्षित स्थानों पर रहने और प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की जिम्मेदारी समझनी होगी। प्रकृति के बदलते संकेतों को नजरअंदाज करने की कीमत समाज को भारी नुकसान के रूप में चुकानी पड़ सकती है। अब जरूरत मौसम के मिजाज पर चिंता जताने की नहीं, बल्कि उससे निपटने की मजबूत, वैज्ञानिक और दूरदर्शी तैयारी करने की है।

कड़वे वचन



हर वक्त भाग्य कोदोष देना भी ठीक नहीं है। कभी कभी हम भी हद से ज्यादा मांग लेते हैं। आज का कर्म ही तो कल का भाग्य है। इसलिए अच्छे भाग्य के लिए अच्छे कर्म करो। कौन कहता है कि मनुष्य कीहथेली की रेखाओं में उसका भाग्य लिखा होता है क्योंकि भाग्य तो उनका भी होता है, जिनके हाथ ही नहीं होते। अपना भाग्य मनुष्य खुद अपने हाथों से लिखता है।

आज का राशिफल



ज्योतिषाचार्य पंडित लोकेश व्यास

पंचांगः-4 नवम्बर, 2026
दिन-बुधवार, अश्विन शुक्ल 10

मेष चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, आ

आज का दिन संपत्ति के संबंधित मामलों के लिए अच्छा रहने वाला है वाणी पर नियंत्रण रखें

वृष इ, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो

धन संबंधित डील को फाइनल करने के पहले उसकी बड़ी क्यों पर अवश्य ध्यान दें

मिथुन का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह

आज का दिन भागदौड़ भरा रहने वाला है काम के चलते थकान महसूस कर सकते हैं

कर्क ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो

आज का दिन तरक्की के नए मार्ग खोल सकता है विद्यार्थी वर्ग को मेहनत करनी पड़ेगी

सिंह मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे

अपने धन को सही दिशा में निवेश करने हेतु बड़ों की सलाह को ध्यान में रखकर आगे बढ़े

कन्या टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो

मित्र से किसी मामले को लेकर विवाद हो सकता है अपनी वाणी और क्रोध में नियंत्रण रखें

तुला रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते

संतान पक्ष की ओर से कुछ अच्छी खबर मिल सकती है विद्यार्थी वर्ग को सफलता मिलेगी

वृश्चिक ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे

दिन स्वास्थ्य के मामले में कमजोर रहने वाला है अतः सेहत का ध्यान रखें

धनु ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे

आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है मन में उत्साह बना रहेगा

मकर भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी

कम पर फोकस बनाए रखें तभी वह कार्य पूरा होगा बेवजह तनाव न ले

कुंभ गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा

सेहत संबंधित मामलों में लापरवाही ना करें बाहर के खानपान से बचे

मीन दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची

आय के स्रोत को बढ़ाने के लिए अत्यधिक मेहनत करनी पड़ सकती है सोच समझकर कार्य आगे बढ़ाएं

बिजली बिल जमा नहीं होनें से 42 नल जल योजनाएं पड़ी ठप्प

पीएचई विभाग के ई ई ने कहा, भुगतान और मरम्मत ग्राम पंचायत की जिम्मेदारी

उमरिया, यश भारत। जिले भर में हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने के उद्देश्य से शुरू की गई जलप्रदाय योजनाएं बिजली बिल का भुगतान नहीं होने के कारण दम तोड़ रही हैं। जिले की 42 ग्राम पंचायतों में संचालित जलप्रदाय योजनाएं बंद पड़ी हैं। इसके चलते ग्रामीणों को घरों तक नल से पानी मिलने का लाभ नहीं मिल पा रहा है और उन्हें पेयजल के लिए परेशान होना पड़ रहा है।





केंद्र और प्रदेश सरकार की मंशा गांव-गांव तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने की है। इसी उद्देश्य से जल जीवन मिशन के तहत गांवों में पानी की टंकियां और पाइपलाइन बिछाकर घर-घर नल कनेक्शन पहुंचाए गए। लेकिन योजनाओं के संचालन और बिजली बिल के भुगतान की व्यवस्था में लापरवाही के कारण इनका लाभ ग्रामीणों को नहीं मिल पा रहा है। बिजली बिल जमा नहीं होने से कई योजनाओं की बिजली आपूर्ति बंद हो गई है, जिससे पानी की सप्लाई भी ठप पड़ी है। मामले में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री एच.जे. धुर्वे का कहना है कि जलप्रदाय योजनाओं के बिजली बिल का भुगतान और मरम्मत की जिम्मेदारी ग्राम पंचायतों की है। बिजली बिल भुगतान के संबंध में उन्होंने जिला पंचायत सीईओ को पत्राचार भी किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिजली बिल जमा कराने की जिम्मेदारी उनकी नहीं है। ऐसे में सवाल यह है कि जब सरकार ने ग्रामीणों को घर-घर पानी पहुंचाने के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर योजनाएं तैयार कीं, तो उनके नियमित संचालन की जिम्मेदारी निभाने में आखिर लापरवाही क्यों बरती जा रही है। फिलहाल 42 योजनाएं बंद होने से ग्रामीणों को योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

छात्रों को नहीं मिला संबल योजना का लाभ, फीस भरे लेकिन रसीद नहीं दिया प्राचार्य



दो बस बदल 70 किलोमीटर की दूरी तय कर जन सुनवाई में पहुंचे खिचखिड़ी स्कूल के छात्र

उमरिया, यश भारत। जिले के जनपद पंचायत पाली अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खिचकिड़ी में विद्यार्थियों को संबल योजना का लाभ नहीं मिलने और फीस जमा करने के बावजूद रसीद नहीं दिए जाने का मामला सामने आया है। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने मंगलवार को जिला मुख्यालय पहुंचकर कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई के दौरान अपनी शिकायत दर्ज कराई। बच्चों ने विद्यालय के प्राचार्य पर मनमानी और लापरवाही के आरोप लगाते हुए पूरे मामले की जांच कर कार्रवाई की मांग की है। जिला मुख्यालय से करीब 70 किलोमीटर दूर स्थित अपने गांव से विद्यार्थी दो बसें बदलकर कलेक्ट्रेट पहुंचे थे। बच्चों की शिकायत सुनने के बाद जनजातीय कार्य विभाग के सहायक आयुक्त पूजा द्विवेदी ने उन्हें समझाइश देते हुए पढ़ाई पर ध्यान देने की बात कही। उन्होंने मौके से ही विद्यालय के प्राचार्य को फोन कर विद्यार्थियों की समस्याओं का निराकरण करने के निर्देश दिए। साथ ही स्पष्ट किया कि बच्चों के साथ किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मामले में प्राचार्य पर लगाए गए

आरोपों की जांच हुई शुरू

शिकायत करने पहुंचे छात्र संजय ने बताया कि पिछले दो वर्षों से विद्यार्थियों को फीस जमा करने के बाद भी उसकी रसीद नहीं दी जा रही है। इसके अलावा पात्र विद्यार्थियों को संबल योजना का लाभ भी नहीं मिल रहा है। स्कूल में खेलकूद की सामग्री उपलब्ध होने के बावजूद बच्चों को उसका उपयोग नहीं करने दिया जाता है। छात्र ने बताया कि विद्यालय में लगातार समस्याओं के चलते वे परेशान हैं। अपनी शिकायत अधिकारियों तक पहुंचाने के लिए उन्हें करीब 70 किलोमीटर का सफर तय कर दो बार बस बदलनी पड़ी। विद्यार्थियों ने मांग की है कि उनकी समस्याओं का जल्द ही निराकरण कराया जाए और विद्यालय में हो रही कथित मनमानी की निष्पक्ष जांच कराई जाए।

डामर रोड से ताला गेट पहुंचने की सड़क गड्ढों में हुई तब्दील

बांधवगढ़ में पर्यटन मार्ग हुआ सालों से बदहाल

गड्ढों के बीच सफर करने को मजबूर पर्यटक, पर्यटन की छवि को दरकिनार कर रहे..? जिम्मेदार



उमरिया , यश भारत। विश्व प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाईगर रिजर्व में पर्यटकों की आवाजाही के लिए महत्वपूर्ण मार्ग महराजा कोठी से ताला गेट तक पहुंचने वाला पर्यटन मार्ग इन दिनों बदहाली का शिकार है। मानों कि इस सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे तो हो गए हैं, लेकिन उन गड्ढों मे पानी सहित कीचड़ भी है।जिसके चलते पर्यटकों को आने जानें में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जंगल सफारी के रोमांच और वन्यजीवों के दीदार की उम्मीद लेकर पहुंचने वाले पर्यटकों का स्वागत अब खराब सड़क से हो रहा है।

वहीं स्थानीय लोगों सहित वन्य जीव प्रेमियों के अनुसार, महराजा कोठी तिराहा से ताला गेट तक पहुंचने वाले मार्ग की स्थिति लंबे समय से खराब बनी हुई है। सड़क पर बने गड्ढों के कारण वाहन चालकों को काफी सावधानी बरतनी पड़ती है। लेकिन पर्यटकों को भी हिचकोले खाते हुए इस मार्ग से गुजरना पड़ रहा है। खासकर दूसरे शहरों और प्रदेशों से आने वाले पर्यटकों के लिए यह रास्ता परेशानी का कारण बना हुआ है। बांधवगढ़ टाईगर रिजर्व देश-विदेश में अपनी बाघों की मौजूदगी और प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है। यहां हर साल बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। ऐसे में पर्यटन के लिहाज से महत्वपूर्ण मार्ग की बदहाल स्थिति व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही है। अब पर्यटकों और स्थानीय लोगों ने संबंधित विभाग से सड़क की मरम्मत कराए जाने की मांग की है। सवाल यह है कि जब बांधवगढ़ को पर्यटन के वैश्विक मानचित्र पर पहचान दिलाने के प्रयास किए जा रहे हैं, तो यहां पहुंचने वाले पर्यटकों के लिए बुनियादी सड़क सुविधा दुरुस्त क्यों नहीं की जा रही है?

इनका कहना है

यह बात सही है कि मेन रोड से ताला गेट तक पहुंचने का पर्यटन मार्ग जर्जर हालत में है। लेकिन यह मार्ग हमारे विभाग अंतर्गत नहीं आता है। इसकी जिम्मेदारी वहां की पंचायत की है। फिर भी सुधरवानें की कोशिश की जायेगी।

योहान कटारा , डिप्टी डायरेक्टर बांधवगढ़ टाईगर रिजर्व उमरिया

बालाघाट

वारासिवनी में नहर से मिला इंडियन गौर का शव, वन विभाग ने किया रेस्क्यू

बालाघाट, यश भारत। जिले के वारासिवनी वन परिक्षेत्र अंतर्गत रेलवे क्रॉसिंग के पास नहर में मंगलवार को एक इंडियन गौर का शव बरामद किया गया। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और त्वरित कार्रवाई करते हुए गौर के शव को नहर से बाहर निकाला। प्रथम दृष्टया आशंका जताई जा रही है कि यह शव 18 अक्टूबर 2026 को इसी क्षेत्र में रेस्क्यू किए गए दो नर इंडियन गौर के शवों के साथ बहकर आया होगा। वन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 3 नवंबर 2026 को सुबह लगभग 11 बजे वनमंडलाधिकारी दक्षिण सामान्य वनमंडल बालाघाट को सूचना मिली कि वारासिवनी वन परिक्षेत्र अंतर्गत रेलवे क्रॉसिंग नहर के पास पानी में एक इंडियन गौर का शव



दिखाई दे रहा है। सूचना मिलने पर वनमंडलाधिकारी दक्षिण सामान्य वनमंडल बालाघाट, उपवनमंडलाधिकारी कटंगी सामान्य तथा वन परिक्षेत्र अधिकारी वारासिवनी की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान चलाकर शव को बाहर निकाला। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, रेलवे पटरी के नीचे नहर में पानी का स्तर कम होने के कारण गौर का शव दिखाई दिया था। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना वन विभाग को दी थी। शव की स्थिति को देखते हुए प्रथम दृष्टया यह आशंका जताई गई कि यह शव 18 अक्टूबर को इसी स्थान पर रेस्क्यू किए गए दो नर इंडियन गौर के शवों के साथ पानी में बहकर आया होगा। रेलवे क्रॉसिंग पर बनी पुलिया में लोहे के सरिये निकले हुए हैं। संभावना है कि शव इन्हीं सरियों के बीच फंस गया था, जिसके कारण वह आगे नहीं बह सका और पानी का स्तर कम होने पर दिखाई दिया। रेस्क्यू के बाद इंडियन गौर के शव को वन परिक्षेत्र वारासिवनी के परिसर में लाया गया। यहां नियमानुसार वैधानिक प्रक्रिया पूरी करते हुए वन संरक्षक, वनवृत्त बालाघाट एवं वनमंडलाधिकारी दक्षिण सामान्य वनमंडल बालाघाट की उपस्थिति में दो पशु चिकित्सकों द्वारा वन्यप्राणी का शव परीक्षण किया गया।

जिला चिकित्सालय के आकस्मिक निरीक्षण में ड्यूटी डॉक्टर नहीं मिले अपनी सीट पर, कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश

बालाघाट, यश भारत। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शत्रुघ्न सिंह दाहिया ने 03 नवंबर की सुबह जिला चिकित्सालय बालाघाट का आकस्मिक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं एवं अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कोई भी ड्यूटी डॉक्टर अपनी निर्धारित सीट पर उपस्थित नहीं पाया गया। सीएमएचओ डॉ. दाहिया ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया और उपचार के लिए भर्ती मरीजों से चर्चा कर उन्हें मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात नर्सिंग स्टाफ से भी चर्चा कर मरीजों के उपचार एवं देखभाल की व्यवस्था के संबंध में जानकारी प्राप्त की। ड्यूटी समय में चिकित्सकों के अनुपस्थित पाए जाने पर सीएमएचओ ने नाराजगी जाहिर की। उन्होंने अनुपस्थित चिकित्सकों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाए रखने और मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने के लिए चिकित्सकों एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मचारियों की ड्यूटी के दौरान अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

जनसुनवाई में 120 आवेदकों ने रखीं समस्याएं, संबंधित विभागों को कार्रवाई के निर्देश



बैगा महिलाओं को सड़क-पुलिया निर्माण का आश्वासन, धान पंजीयन, जमीन विवाद, मजदूरी भुगतान सहित विभिन्न शिकायतें पहुंचीं

बालाघाट, यश भारत। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में 120 आवेदकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर आदित्य सिंह, जिला पंचायत सीईओ तनुश्री मीणा, अपर कलेक्टर डीपी बर्मन एवं संयुक्त कलेक्टर सुधीर जैन ने आवेदकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। जनसुनवाई में बैहर विकासखंड के ग्राम पाथरी के आमाटोला की बैगा महिलाओं ने गांव तक सड़क, पुलिया और आंगनवाड़ी की मांग रखी। कलेक्टर ने आंगनवाड़ी स्वीकृत होने की जानकारी देते हुए ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के कार्यपालन यंत्री को स्थल निरीक्षण कर सड़क एवं पुलिया निर्माण का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। किरनापुर के ग्राम बूढ़ी निवासी ओमप्रकाश बिसेन और बालाघाट के ग्राम चिचगांव निवासी रामबती बघेल ने धान पंजीयन में आ रही परेशानी बताई। दोनों मामलों में जिला आपूर्ति अधिकारी को शीघ्र पंजीयन कराने एवं तकनीकी समस्या का निराकरण करने के निर्देश दिए गए। वारासिवनी के ग्राम डोके निवासी राकेश बिसेन की पैतृक भूमि पर धार्मिक स्थल निर्माण संबंधी शिकायत पर एसडीएम वारासिवनी को कार्रवाई के लिए कहा गया। वहीं, सिविल अस्पताल वारासिवनी में नल एवं बिजली फिटिंग कार्य की मजदूरी का भुगतान नहीं होने की शिकायत पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। ग्राम कोसमी के वार्ड क्रमांक 11 में सड़क, नाली एवं बिजली व्यवस्था की मांग पर जनपद पंचायत बालाघाट के सीईओ को कार्रवाई के लिए कहा गया। ग्राम ओदा निवासी विजेश वल्के की जमीन पर कब्जे की शिकायत पर तहसीलदार बालाघाट को जांच एवं आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। मगरदर्रा निवासी कुसनलाल हरिनखेड़े को जन्म प्रमाण पत्र जारी नहीं होने के मामले में भी तहसीलदार बालाघाट को कार्रवाई करने के लिए कहा गया। किरनापुर के ग्राम करियादंड निवासी आंचल बिबिनाके की आंगनवाड़ी सहायिका भर्ती में मेरिट सूची में प्रथम स्थान के बावजूद चयन नहीं होने की शिकायत पर जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। ग्राम टेकाड़ी निवासी रेशमी उइके द्वारा पिता की मृत्यु के बाद आर्थिक सहायता नहीं मिलने की शिकायत पर वनमंडलाधिकारी दक्षिण सामान्य को कार्रवाई के लिए कहा गया। वहीं, लांजी के ग्राम टेकरी निवासी रेखा रुदंला की स्वामित्व योजना के तहत भू-अभिलेख में नाम दर्ज कराने की मांग पर तहसीलदार लांजी को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

नरवाई जलाने पर प्रतिबंध, आदेश जारी

खेतों में पराली जलाने वाले किसानों पर लगेगा 2500 से 15 हजार रुपये तक जुर्माना, उल्लंघन पर होगी कानूनी कार्रवाई

बालाघाट, यश भारत। जिले में फसल कटाई के बाद खेतों में पराली (नरवाई) जलाने की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री आदित्य सिंह ने प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। यह आदेश 3 नवंबर 2026 को जारी किया गया है और तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। आदेश आगामी आदेश तक पूरे बालाघाट जिले की राजस्व सीमा में प्रभावशील रहेगा। जारी आदेश के अनुसार, फसल कटाई के बाद खेतों में पराली अथवा नरवाई जलाना प्रतिबंधित रहेगा। कलेक्टर ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 तथा वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम 1981 के प्रावधानों के तहत यह आदेश जारी किया है। इसका उद्देश्य खेतों में फसल अवशेष जलाने से होने वाले वायु प्रदूषण और पर्यावरणीय नुकसान को रोकना है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि कोई भी किसान अथवा व्यक्ति पराली या नरवाई में आग नहीं लगाएगा। हार्वेस्टर से धान की कटाई के बाद पराली के बंडल बनाने के लिए बेलर मशीन का उपयोग करना आवश्यक होगा। हार्वेस्टर संचालकों को बेलर मशीन स्वयं की अथवा कस्टम हायरिंग सेंटर से या व्यक्तिगत बेलर मशीन धारक से किराये पर प्राप्त कर हार्वेस्टर के साथ उसका उपयोग करना अनिवार्य होगा। आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 तथा आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 की धारा 51 से 60 एवं वायु प्रदूषण नियंत्रण अधिनियम 1981 के तहत दंडात्मक एवं जुर्माने की कार्रवाई की जाएगी। पर्यावरण विभाग के प्रावधानों के अनुसार नरवाई जलाने पर कृषि भूमि के रकबे के आधार पर जुर्माना निर्धारित किया गया है। इसके तहत दो एकड़ तक भूमि वाले किसानों पर प्रत्येक घटना के लिए 2500 रुपये, दो से पांच एकड़ तक भूमि वाले किसानों पर 5000 रुपये तथा पांच एकड़ से अधिक भूमि वाले किसानों पर प्रत्येक घटना के लिए 15 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया जाएगा। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। जिले के सभी संबंधित अधिकारियों को आदेश का पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं। इस आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

लोकतंत्र की चिंता या वोट बैंक की लड़ाई

वोट चोरी के आरोपों पर कटनी में सियासी संग्राम

कांग्रेस हमलावर तो भाजपा भी मैदान में उतरी, युवा मतदाताओं पर भाजपा की नजर, सत्ता के खिलाफ नैरेटिव बनाने में जुटी कांग्रेस

कटनी, यशभारत। देश की राजनीति में इन दिनों वोट चोरी और लोकतंत्र की रक्षा का मुद्दा सियासी बहस के केंद्र में है। दिल्ली के रामलीला मैदान से लेकर मध्यप्रदेश के शहरों तक इस मुद्दे पर राजनीतिक दलों के बीच शक्ति प्रदर्शन और आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। इसकी आंच अब कटनी की सियासत में भी साफदिखाई देने लगी है। कांग्रेस जहां वोट चोरी के आरोपों को लेकर भाजपा पर लगातार हमलावर है, वहीं भाजपा भी इन आरोपों का जवाब देने के लिए संगठनात्मक गतिविधियों और जनसंवाद के जरिए मैदान में उतर चुकी है। दोनों दलों के बीच शुरू हुई यह राजनीतिक खींचतान केवल वैचारिक लड़ाई नहीं, बल्कि आने वाले चुनावों की जमीन तैयार करने की कवायद भी मानी जा रही है।





दो दिन पहले दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित कांग्रेस की रैली में कटनी से बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए। पार्टी ने वोट बचाओए लोकतंत्र बचाओ अभियान के जरिए भाजपा के खिलाफ अपना राजनीतिक संदेश बुलंद किया। दूसरी ओर भाजपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जबलपुर में आयोजित पदयात्रा में भागीदारी कर कांग्रेस के आरोपों का जवाब देने की कोशिश की। भाजपा ने लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ के नारे के साथ अपनी रणनीति को आगे बढ़ाया है। जाहिर है कि अब लोकतंत्र और मतदाता के अधिकारों की बहस राजनीतिक दलों के लिए जनसमर्थन जुटाने का बड़ा माध्यम बनती जा रही है।

युवा मतदाता भाजपा की रणनीति के केंद्र में

इस पूरे राजनीतिक घटनाक्रम में सबसे दिलचस्प पहलू युवा मतदाताओं को लेकर भाजपा की सक्रियता है। जिले की चारों विधानसभा सीटों पर युवा मतदाताओं की अच्छी खासी संख्या है। बदलते राजनीतिक माहौल में जेन-जी और पहली बार मतदान करने वाले युवाओं का रुख राजनीतिक दलों के लिए महत्वपूर्ण हो गया है। भाजपा को भी इस वर्ग की राजनीतिक सोच और बदलते नजरिए को लेकर गंभीरता से काम करने की जरूरत महसूस हो रही है। यही वजह है कि पार्टी विचार गोष्ठियों, महाविद्यालयों में संवाद और पदयात्राओं के माध्यम से युवाओं तक पहुंचने की रणनीति पर काम कर रही है। भाजपा की कोशिश है कि वोट चोरी जैसे संवेदनशील मुद्दे पर विपक्ष की ओर से बनाए जा रहे राजनीतिक नैरेटिव का जवाब सीधे जनता के बीच जाकर दिया जाए। इसके लिए जिले की चारों विधानसभा क्षेत्रों में संवाद और विचार गोष्ठियों का सिलसिला शुरू किया जा रहा हैए जिसे आगे मंडल स्तर तक ले जाने की तैयारी है। पार्टी नेतृत्व की मंशा है कि भाजपा के नेता और जनप्रतिनिधि जनता के बीच जाकर अपना पक्ष रखें और विपक्ष के आरोपों का राजनीतिक जवाब दें।

कांग्रेस के लिए मुद्दा, भाजपा के लिए चुनौती

दूसरी ओर कांग्रेस इस मुद्दे को हाथ से जाने देने के मूड में नहीं है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी से मिलने वाले निर्देशों के अनुरूप जिला संगठन लगातार सक्रियता दिखा रहा है। कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा ने लोकसभा और विधानसभा चुनावों में मतदाताओं के अधिकारों के साथ खिलवाड़ कर सत्ता हासिल की है। पार्टी इस मुद्दे को केवल चुनावी अनियमितताओं तक सीमित नहीं रखना चाहती, बल्कि इसे लोकतंत्र की विश्वसनीयता से जोड़कर जनता के बीच ले जाने का प्रयास कर रही है। कांग्रेस की रणनीति भाजपा के खिलाफ एक व्यापक राजनीतिक माहौल तैयार करने की है। वहीं भाजपा इस अभियान को विपक्ष की राजनीतिक हताशा और अराजकता की राजनीति के रूप में प्रस्तुत कर रही है। ऐसे में दोनों दलों के बीच असली मुकाबला केवल आरोप लगाने या जवाब देने का नहींए बल्कि जनता के मन में अपनी बात को विश्वसनीय साबित करने का होगा।

चुनावी कैलेंडर ने बढ़ाई राजनीतिक सक्रियता

इस सियासी सरगर्मी के पीछे आने वाले चुनावों का गणित भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। वर्ष 2027 में नगर निगम चुनाव प्रस्तावित हैंए 2028 में विधानसभा और 2029 में लोकसभा चुनाव होने हैं। यानी अगले तीन वर्षों में मतदाताओं को कई महत्वपूर्ण राजनीतिक फैसले लेने हैं। ऐसे में अभी से शुरू हुई राजनीतिक गतिविधियों को चुनावी तैयारी के तौर पर देखा जा रहा है। कटनी जिले का संसदीय राजनीतिक गणित भी अपने आप में महत्वपूर्ण है। जिले की तीन विधानसभा सीटें खजुराहो लोकसभा क्षेत्र में आती हैं, जबकि बड़वारा विधानसभा शहडोल संसदीय क्षेत्र का हिस्सा है। लंबे समय से कटनी को पृथक लोकसभा क्षेत्र बनाए जाने की मांग भी उठती रही है। भविष्य में परिसीमन की प्रक्रिया और संसदीय क्षेत्रों के संभावित पुनर्गठन के साथ यह मांग फिर राजनीतिक बहस का विषय बन सकती है।

चुनावों के पहले बिछ रही बिसात

दरअसल मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों में कांग्रेस और भाजपा दोनों के सामने अपनी.अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करने की चुनौती है। कांग्रेस वोट चोरी के मुद्दे के जरिए भाजपा सरकार के खिलाफ जनमत तैयार करना चाहती है, जबकि भाजपा इस अभियान का जवाब देकर अपने समर्थक वर्ग को एकजुट रखने और नए मतदाताओं तक पहुंचने की कोशिश में है। कटनी की राजनीति में यह लड़ाई आने वाले दिनों में और तेज हो सकती है। खासकर तब, जब नगर निगम चुनाव नजदीक आएंगे और स्थानीय मुद्दे राष्ट्रीय राजनीतिक विमर्श के साथ जुड़ने लगेंगे। सवाल यह भी है कि क्या वोट चोरी और लोकतंत्र की बहस आम मतदाता के रोजमर्रा के मुद्दों पर भारी पड़ेगी या फिर सड़क, पानी, यातायात, रोजगार और स्थानीय विकास जैसे सवाल चुनावी परिणामों की दिशा तय करेंगे। फिलहाल दोनों प्रमुख राजनीतिक दल लोकतंत्र की रक्षा का दावा करते हुए अपने-अपने तरीके से जनता के बीच पहुंच रहे हैं। लेकिन इस सियासी संग्राम का अंतिम फैसला नारों, रैलियों और पदयात्राओं से नहीं, बल्कि मतदाता के विश्वास से ही होगा।

पटाखों के दाम बढ़े डिमांड भी कई गुना बढ़ी

इको-फ्रेंडली पटाखे पहली पसंद, बटरफ्लाय, ग्रीन कैकर्स और फैंसी आइटम फर्स्ट च्वाइस





कटनी, यशभारत। दीपावली पर्व की तैयारियों के बीच पटाखा दुकानों के लिए अस्थायी लाईसेंस जारी किए जा रहे हैं। इस बार कटनी में तीन स्थानों पर पटाखा बाजार लगेगा। इसमे पुलिस लाइन होमगार्ड मैदान झिंझरी, एनकेजे और इमलिया रोड शामिल है। दुकानों के लाईसेंस 15 दिनों के लिए दिए जाएंगे। पटाखा की दुकानें 6 नवंबर धनतेरस से शुरू होकर एकादशी तक लगाई जा सकेंगी। दीवाली हो और शहर में रोशनी के साथ पटाखों की गूंज न हो, ऐसा संभव नहीं है। इस बार दिवाली पर पटाखों की डिमांड काफी अधिक है। पटाखा व्यापारियों की मानें तो पिछले साल की अपेक्षा इस साल पटाखा के दामों में 20 से 25 प्रतिशत तक की बढ़ोत्तरी हुई है। विक्रेताओं के मुताबिक पिछले साल की तुलना में इस बार पटाखों की कीमतों में वृद्धि के बावजूद दीपावली के जोश में कमी नहीं है। ग्राहकों का कहना है कि कीमतें बढ़ी जरूर हैं लेकिन त्योहार पर थोड़े बहुत पटाखा फोड़ना तो बनता ही है।

ग्रीन और इको-फ्रेंडली पटाखे मचाएंगे धूम

पटाखा विक्रेताओं का कहना है कि इस बार बाजार में कई बड़े ब्रांड के ग्रीन और इको-फ्रेंडली पटाखे उपलब्ध हैं। पिछले दो वर्षों से ग्रीन पटाखों का चलन बढ़ा है। इस वर्ष भी ग्राहकों की पहली पसंद यही बन रहे हैं। इसके अलावा पारंपरिक फुलझड़ी से लेकर नए डिजाइन वाले इको-फ्रेंडली क्रेकर्स की पूछपरख ज्यादा है। इस बार नए पटाखों में हवा में उड़कर दगने वाले पटाखों में हेलीकॉप्टर, बटरफ्लाई, फोटो फ्लैश, आसमानी शॉट, ओलंपिक टार्च, बोफोर्स तोप जैसी तोप सहित शेर, बत्तख व ट्री अनार उपलब्ध हैं। बच्चों के लिए फुलझड़ी, पॉप-पॉप, चरखी, माचिस समेत कम आवाज वाले पटाखे बिक रहे हैं। इस बार फैंसी आइटम की नई श्रृंखला आ चुकी है, जिसकी मांग बहुत ज्यादा बताई जा रही है।

क्या कहते हैं पटाखा व्यवसायी

पटाखा व्यवसायी ललित जायसवाल ने बताया कि सुतली बम और स्काय शॉट्स जैसे कुछ आइटम की डिमांड ज्यादा रहती है। युवा वर्ग एटम बम फोड़ना ज्यादा पसंद करता है, जबकि बच्चों के लिए भी कई आयटम ऐसे हैं, जो उन्हें लुभा रहे हैं। पटाखा व्यवसायी अभिषेक शर्मा ने बताया कि इस बार बाजार में वंडर थ्रो नाम से पॉल्यूशन फ्री पटाखे भी आए हैं। इन्हें हाथ से फेंकने पर ये फूटते हैं और जोरदार साउंड के बावजूद धुआं नहीं छोड़ते। ये पटाखे ग्राहकों को खूब भा रहे हैं। बच्चों में कारतूस वाली रिंग कैप और पॉप अप की भी जबर्दस्त डिमांड है।

गाली-गलौज के विवाद ने लिया खूनी रूप, एक ही परिवार के चार सदस्यों पर चाकुओं से हमला

एक आरोपी हिरासत में, दो की तलाश जारी



जबलपुर,यश भारत। शहर में मामूली विवाद भी अब हिंसक घटनाओं का रूप लेने लगे हैं। गोरखपुर थाना क्षेत्र के इंदिरा नगर, गुप्तेश्वर में गाली-गलौज को लेकर शुरू हुआ विवाद इतना बढ़ गया कि तीन युवकों ने एक ही परिवार पर चाकुओं से हमला कर दिया। हमले में परिवार के मुखिया पिता, उनकी बेटी और दोनों बेटे घायल हो गए। अचानक हुए हमले से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। वारदात को अंजाम देने के बाद तीनों आरोपी मौके से भाग निकले। पुलिस के अनुसार घटना रात करीब 12 बजे की है। कृष राय, मनीष राय और अक्षय रजक का गुप्ता परिवार के सदस्यों से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। शुरुआत गाली-गलौज से हुई, लेकिन देखते ही देखते मामला इतना बिगड़ गया कि आरोपियों ने चाकू निकाल लिए और परिवार के सदस्यों पर हमला शुरू कर दिया। हमले में बनारसी लाल गुप्ता के पेट में चाकू लगा, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए।

पिता पर हमला होते देख उनकी बेटी काजल गुप्ता बीच-बचाव करने पहुंची, लेकिन हमलावरों ने उन्हें भी नहीं बख्शा। आरोपियों ने काजल के सीने पर चाकू से वार कर दिया। वहीं परिवार के दोनों बेटे भी हमले की चपेट में आ गए। मोहित गुप्ता के पैर और मनीष गुप्ता के हाथ में चाकू लगने से चोटें आईं। एक ही परिवार के चार लोगों के घायल होने से मौके पर हड़कंप मच गया।

घटना की सूचना मिलते ही गोरखपुर पुलिस सक्रिय हुई और घायलों को तत्काल नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया गया। यहां चिकित्सकों ने सभी का उपचार किया। पुलिस के मुताबिक उपचार के बाद तीन घायलों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। घटना के बाद क्षेत्र में तनावपूर्ण स्थिति बनने की आशंका को देखते हुए पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। गोरखपुर थाना प्रभारी नितिन कमल के अनुसार पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को हिरासत में ले लिया है, जबकि दो अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस विवाद के कारणों और घटनाक्रम की भी जांच कर रही है।

स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम अनिवार्य बिना SMS नहीं चलेंगे हार्वेस्टर

जबलपुर, यश भारत। धान की कटाई शुरू होते ही खेतों में पराली (नरवाई) जलाने की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। हाल ही में आयोजित जिला स्तरीय पराली प्रबंधन समिति की समीक्षा बैठक में यह स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि जिले में संचालित होने वाले सभी हार्वेस्टरों में स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम (एसएमएस) का होना अनिवार्य है।

बिना एसएमएस (स्स्ट्र) के हार्वेस्टर चलाने पर पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मध्य प्रदेश के जिन पाँच जिलों में पराली जलाने के सर्वाधिक मामले दर्ज किए जाते हैं, उनमें जबलपुर भी शामिल है। पिछले वर्ष पूरे जबलपुर संभाग में पराली जलाने की 3,000 से अधिक घटनाएं दर्ज की गई थीं। इस स्थिति पर नियंत्रण पाने के लिए क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (ऋ्ञह्व) और राजस्व अधिकारियों की संयुक्त निगरानी टीमें गठित की गई हैं, जो मैदानी स्तर पर हार्वेस्टरों की नियमित जाँच करेंगी। प्रशासन ने सभी हार्वेस्टर संचालकों के नाम, मोबाइल नंबर और यार्ड के पते एकत्र करने के निर्देश भी दिए हैं।

पर्यावरण संरक्षण और खेतों की उर्वरता बनाए रखने के उद्देश्य से पराली जलाने के बजाय आधुनिक कृषि तकनीकों के उपयोग पर बल दिया जा रहा है। इसके लिए बेलर, हैप्पी सीडर, सुपर सीडर और रीपर कंबाइंडर जैसे आधुनिक कृषि यंत्रों के अधिकतम उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है।

प्रशासन द्वारा पंजाब और हरियाणा की तर्ज पर फसल अवशेष प्रबंधन की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इसके लिए अनुविभाग स्तर पर किसान संगठनों, कृषकों और आरएमएस सदस्यों के साथ बैठकें व कृषक संगोष्ठियाँ आयोजित कर व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, ताकि सामूहिक प्रयासों से पराली जलाने की घटनाओं में कमी लाई जा सके।

जबलपुर आने के पूर्व पकड़ा गया युवक,बैग में मिले साढ़े छह लाख



जबलपुर यशभारत। पश्चिम मध्य रेल के इटारसी रेलवे स्टेशन पर उस समय हड़कंप मच गया जब आरपीएफ ने एक युवक को संदिग्ध हालात में पकड़ कर उसके बैग की तलाशी ली गई जिसके अंदर साढ़े छह लाख रुपए मिले। जानकारी के मुताबिक भोपाल से नकदी लेकर निकले दो लोग इटारसी रेलवे स्टेशन पहुंचे हुए थे और उन्होंने पिट्ठू बैग एक युवक को दिया और गायब हो गए। इस संबंध में रेलवे सूत्रों के मुताबिक बरगांव थाना गड़ासरई जिला डिंडोरी निवासी 40 वर्षीय छत्रपाल पिता सुखसैन नागेश इटारसी स्टेशन से भुसावल-कटनी एक्सप्रेस से जबलपुर पहुंचने के बाद डिंडोरी जाने की तैयारी में था। लेकिन जबलपुर पहुंचने से पहले ही आरपीएफ की कार्रवाई में पकड़ लिया गया। बरामद रकम हवाला कारोबार से जुड़ी होने की आशंका जताई जा रही है।रेलवे सूत्रों के मुताबिक छत्रपाल इटारसी रेलवे के

भोपाल से चला नोटों का सफर, इटारसी में आरपीएफ ने लगा दिया ब्रेक

प्लेटफार्म नंबर 4 व 5 पर संदिग्ध हालात में बैठा हुआ था। इसी दौरान आरपीएफ को संदिग्ध रूप से नकदी ले जाए जाने की भनक लगी। सूचना के आधार पर आरपीएफ ने निगरानी शुरू की और संदिग्ध युवक के पिट्ठू बैगकी तलाशी ली जिसके अंदर एक चांवल की खाली बोरी में अलग-अलग मूल्यवर्ग के नोटों की गड्डियां बरामद हुईं।प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक युवक इस रकम को लेकर भुसावल-कटनी एक्सप्रेस से जबलपुर आने वाला था। यहां उतरने के बाद उसका डिंडोरी जाने का कार्यक्रम था।रेलवे सूत्रों के मुताबिक, युवक के पास इतनी बड़ी रकम होने और उसके परिवहन के तरीके को देखते हुए मामले को गंभीरता से लिया गया है। आरपीएफ ने प्रारंभिक कार्रवाई के बाद इस मामले की जानकारी आयकर विभाग को दी गई।अब जांच का विषय यह है कि रकम भोपाल में किससे प्राप्त की गई थी इसे इटारसी तक कौन लेकर आया और डिंडोरी में किसे सौंपा जाना था। फिलहाल नकदी के हवाला कारोबार से जुड़े होने की आशंका के बीच पूरे मामले की जांच की जा रही है। उक्त कार्रवाई वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन पर इटारसी आरपीएफ के एसआई संतोष मिश्रा . प्रधान आरक्षक आनंद पवार राशिद खान एवं एएसआई विक्रम सिंह द्वारा की गई।

सुप्रीम कोर्ट में सीबीआई का खुलासा

मॉडल ट्विशा शर्मा की मौत के अगले दिन सास ने जुटाए थे सीसीटीवी फुटेज

भोपाल, यशभारत।



मॉडल-एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत के मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल अपने काउंटर एफिडेविट में कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। जांच एजेंसी के मुताबिक, घटना के अगले ही दिन यानी 13 मई 2026 को आरोपी सास और सेवानिवृत्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश गिरिबाला सिंह ने मामले से जुड़े सीसीटीवी फुटेज जुटाने की कोशिश की थी।सीबीआई ने हलफनामे में बताया कि घटना के समय भोपाल जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग की अध्यक्ष रहीं गिरिबाला सिंह ने 13 मई को एक सीसीटीवी तकनीशियन को फोन कर फुटेज की कॉपी हासिल की थी। इसके अलावा, उन्होंने एक ब्यूटी पार्लर संचालिका से संपर्क कर 12 मई को ट्विशा के वहां आने और जाने की जानकारी मांगी तथा कुछ लोगों को भेजकर वहां की सीसीटीवी रिकॉर्डिंग भी निकलवा ली थी। जांच एजेंसी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि मुख्य आरोपी गिरिबाला सिंह और उनके वकील बेटे समर्थ सिंह बेहद प्रभावशाली स्थिति में हैं। एजेंसी ने आशंका जताई है कि ये लोग भोपाल में चल रहे मुकदमे की सुनवाई को प्रभावित कर सकते हैं और गवाहों पर दबाव बना सकते हैं। गौरतलब है कि 12 मई 2026 की रात भोपाल के कटारा हिल्स इलाके स्थित ससुराल में ट्विशा शर्मा मृत पाई गई थीं। ससुराल पक्ष ने इसे आत्महत्या बताया था, जबकि मायके पक्ष ने हत्या का गंभीर आरोप लगाया था। पहली पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट पर सवाल उठने के बाद हाईकोर्ट के निर्देश पर 24 मई को दिल्ली, ढ्ढह्लस्र के मेडिकल बोर्ड से दोबारा पोस्टमॉर्टम कराया गया था। अब सीबीआई द्वारा सुप्रीम कोर्ट में पेश किए गए इस हलफनामे के बाद मामले में नए कानूनी पहलू जुड़ गए हैं।

चार इमली में पूर्व मंत्री के बंगले में चोरी का खुलासाः 16 नल की टोंटियां चुराने वाला शातिर चोर गिरफ्तार

भोपाल, यश भारत ।

राजधानी भोपाल के पॉश इलाके चार इमली में पूर्व मंत्री अजय विश्नोई के बंगले में हुई चोरी की वारदात का हबीबगंज पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए शातिर चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की गई नल की टोंटियां बरामद कर ली हैं।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी बंगले का ताला तोड़कर नहीं, बल्कि दीवार फांदकर अंदर दाखिल हुआ था। उसने बंगले के चार बाथरूम और किचन से करीब 20 हजार रुपए कीमत की 16 महंगी नल की टोंटियां चुरा ली थीं। वारदात को अंजाम देने के बाद पुलिस से बचने के लिए उसने टोंटियों को प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पास छिपाकर रख दिया था।

चोरी की सूचना मिलते ही पुलिस कमिश्नर संजय कुमार के निर्देशों पर हबीबगंज पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस ने इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और अपने मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। सटीक सूचना के आधार पर पुलिस ने आरोपी को धर दबोचा। गिरफ्तार आरोपी की पहचान संतोष अहिरवार उर्फ झुमरू के रूप में हुई है। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी संतोष अहिरवार उर्फ झुमरू एक शातिर अपराधी है। उसके खिलाफ भोपाल के विभिन्न थानों में चोरी, वाहन चोरी और अन्य संगीन अपराधों के 12 से अधिक मामले दर्ज हैं। कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपी ने शहर में चोरी की दो अन्य घटनाओं को अंजाम देना भी स्वीकार किया है। फिलहाल हबीबगंज पुलिस आरोपी को रिमांड पर लेकर अन्य वारदातों के संबंध में पूछताछ कर रही है, जिससे कई अन्य खुलासे होने की उम्मीद है।

कलेक्टर एवं एसपी ने अस्पताल पहुंचकर बच्चों से की मुलाकात

मध्यान्ह भोजन खाने के बाद बिगड़ी बच्चों की तबीयत, अस्पताल में भर्ती

नरसिंहपुर यशभारत। ग्राम समनापुर डांगीढाना की शासकीय माध्यमिक शाला में मंगलवार को मध्याह्न भोजन खाने के बाद बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। बच्चों को खीर-पूरी परोसी गई थी। आरोप है कि एकता स्वसहायता समूह ने पुराने गूंथे आटे से पूरियां बनाई थीं। भोजन करने के कुछ ही देर बाद बच्चों को पेट दर्द और उल्टियां होने लगीं। सभी बच्चों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।





जानकारी के अनुसार दोपहर करीब 1. 30 बजे बच्चों ने भोजन करना शुरू किया। पूरियों का स्वाद अजीब लगने पर बच्चों ने प्रधान पाठक गणेशदत्त बादल को बताया। प्रधान पाठक ने खुद पूरियां चखीं तो उनमें खटास और हीक महसूस हुई। इसके कुछ ही देर बाद बच्चों को उल्टी और पेट दर्द की शिकायत होने लगी। प्रधान पाठक ने समूह के सदस्यों से इस बारे में आपत्ति जताई, लेकिन उन्होंने गलती मानने से इनकार कर दिया। इसके बाद प्रधान पाठक ने वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी। उपलब्ध साधनों और एंबुलेंस की मदद से बच्चों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया।

कलेक्टर-एसपी अस्पताल पहुंचे

घटना की जानकारी मिलने पर कलेक्टर रजनी सिंह और एसपी डॉ. ऋषिकेश मीना जिला अस्पताल पहुंचे। उन्होंने बच्चों के उपचार की जानकारी ली और डॉक्टरों को बेहतर इलाज के निर्देश दिए। चिकित्सकों के अनुसार सभी बच्चों की स्थिति सामान्य है और वे खतरे से बाहर हैं। एहतियात के तौर पर प्राथमिक शाला के 8 और माध्यमिक शाला के 37 बच्चों को अस्पताल में भर्ती कर निगरानी में रखा गया है।

एकता स्वसहायता समूह को हटाया

मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर ने भोजन बनाने वाले एकता स्वसहायता समूह को तत्काल प्रभाव से हटा दिया है। उन्होंने घटना की विस्तृत जांच के निर्देश भी दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर रजनी सिंह ने बताया कि शुरुआती जानकारी में पुराने आटे के इस्तेमाल की बात सामने आई है। उन्होंने कहा कि संभव है कि भोजन के असामान्य स्वाद पर शिक्षकों का ध्यान नहीं गया हो। मध्यान्ह भोजन तैयार करने वाले एकता स्वसहायता समूह के खिलाफ कार्रवाई की गई है। घटना के बाद स्कूलों में मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता जांचने की व्यवस्था पर सवाल उठे हैं। भोजन परोसने से पहले उसकी गुणवत्ता और स्वाद की जांच किस स्तर पर हुई, इसकी भी जांच की जा रही है।

जवाहर नवोदय विद्यालय कक्षा 6वीं चयन परीक्षा के एडमिट कार्ड जारी

नरसिंहपुर यशभारत। जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा कक्षा 6वीं के लिए पंजीकृत अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र एडमिट कार्ड जारी कर दिए गए हैं। संबंधित अभिभावक अपने बच्चों का एडमिट कार्ड जवाहर नवोदय विद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से डाउनलोड कर सकते हैं। प्राचार्य जवाहर नवोदय विद्यालय ने बताया कि अभिभावक एवं अभ्यर्थी आवेदन संख्या पंजीकरण संख्या दर्ज कर एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं। एडमिट कार्ड का प्रिंट निकालकर उस पर दर्ज सभी जानकारियों का सावधानीपूर्वक मिलान कर लें। उन्होंने बताया कि परीक्षा के समय अभ्यर्थियों के लिए एडमिट कार्ड एवं एक वैध पहचान पत्र साथ लाना अनिवार्य होगा। अभिभावकों से अपील की गई है कि वे समय रहते अपने बच्चों का प्रवेश पत्र डाउनलोड कर उसका प्रिंट सुरक्षित रखें।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने जनसुनवाई में सुनीं लोगों की समस्याएं



नरसिंहपुर यशभारत। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में विभिन्न विषयों से संबंधित कुल 120 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को आवेदनों पर गंभीरता से कार्रवाई करते हुए निर्धारित समय सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में आवेदकों ने मेढ़ का सीमांकन कर रास्ता खुलवाने, ग्राम निवावर में राशन वितरण कराने, सही व निष्पक्ष सीमांकन करवाने, बैनामा की शेष राशि दिलाए जाने आदि से संबंधित अपने-अपने आवेदन कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किए। इस पर कलेक्टर श्रीमती सिंह ने आवेदनों पर संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार कार्रवाई कर आवेदकों को राहत दिलाने के लिए कहा। जनसुनवाई के दौरान जिन आवेदनों का तत्काल निराकरण संभव था, उनका मौके पर ही निराकरण किया गया। वहीं जिन प्रकरणों में विस्तृत जांच अथवा अन्य आवश्यक कार्रवाई की जरूरत थी, उनके निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा तय कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर अरविंद कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारियों ने भी नागरिकों की समस्याएं सुनीं तथा संबंधित प्रकरणों में आवश्यक कार्रवाई की।

खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा गाडरवारा, तेन्दूखेड़ा में मिठाई दुकानों एवं गोदाम का निरीक्षण



नरसिंहपुर यशभारत। दीपावली पर्व के मद्देनजर आम नागरिकों को शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने तथा खाद्य पदार्थों में मिलावट पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशानुसार जिले में विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है।

इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा विभाग एवं नगर पालिका गाडरवारा की संयुक्त टीम द्वारा श्री माँ शारदा बीकानेर स्वीट के गोदाम का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान खाद्य पदार्थों के नमूने जांच के लिए लिए गए तथा एक्सपायरी डेट की सामग्री पाए जाने पर उसे जब्त किया गया। वहीं तेन्दूखेड़ा में एसडीएम सुश्री शानु चौधरी के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने वार्ड क्रमांक 7 स्थित संजू स्वीट्स मिठाई दुकान का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान मिठाइयों एवं अन्य खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच के लिए नमूने लिए गए। टीम ने खाद्य सामग्री के निर्माण एवं भंडारण की स्थिति तथा दुकान में स्वच्छता संबंधी व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। कार्रवाई के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रीमती कविता राठौर उपस्थित रहीं। जिला प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि खाद्य पदार्थों में मिलावट करने तथा आमजन के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। त्यौहारों के दौरान सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जांच अभियान जारी रहेगा।

त्यौहार के मद्देनजर खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई, होटल एवं कैफे पर लगाया जुर्माना



खाद्य सामग्री के नमूने लेकर जांच के लिए भोपाल भेजे

नरसिंहपुर यशभारत। जिले में आगामी दीपावली त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुए जिले में दूषित एवं मिलावटी खाद्य सामग्री के विक्रय पर रोकथाम के लिए कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा विभाग एवं नगरपालिका की संयुक्त टीम द्वारा खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया जा रहा है।



इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी सारिका दुबे एवं नगरपालिका की संयुक्त टीम ने नरसिंहपुर के बेलापुरकर वार्ड स्थित हरिओम हरि होटल, सुभाष पार्क स्थित ए-3 कैफे तथा बेलापुरकर वार्ड स्थित बाबा स्वीट्स का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान खाद्य सामग्री खुली रखी पाए जाने एवं परिसर में अस्वच्छता मिलने पर नगरपालिका द्वारा हरिओम हरि होटल पर 5 हजार रुपये तथा ए-3 कैफे पर 1500 रुपये का जुर्माना लगाया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा संबंधित प्रतिष्ठानों को सुधार सूचना जारी की जाएगी।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी सारिका दुबे ने खाद्य विक्रेताओं को खाद्य सामग्री जाली से ढककर रखने, स्टेनलेस स्टील के बर्तनों का उपयोग करने के निर्देश दिए। उन्होंने खाद्य प्रतिष्ठानों में स्वच्छता बनाए रखने एवं खाद्य सामग्री के सुरक्षित रखरखाव की समझाइश भी दी। इसी तरह तहसील गाडरवारा में खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रीमती कविता राठौर द्वारा मां शारदा बीकानेर, राजस्थान मिष्ठान, बाहुबली मिष्ठान एवं वैष्णव मिष्ठान से पनीर, दूध बर्फी एवं खोवा पेड़ा के नमूने लिए गए। इन नमूनों को जांच के लिए खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजे गए। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत नियमानुसार न्यायालयीन कार्रवाई की जाएगी।

सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते का दौरा कार्यक्रम

नरसिंहपुर यशभारत। सभापति एससी-एसटी कल्याण संबंधी समिति व सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते बुधवार 4 नवंबर को गोटेगांव आएंगे और स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे। जारी प्रवास कार्यक्रम के अनुसार सांसद श्री कुलस्ते बुधवार 4 नवंबर को रात्रि 8 बजे ग्राम तुरिया जिला सिवनी से प्रस्थान कर जिले के गोटेगांव आएंगे और स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे। तदुपरांत गोटेगांव से रायसेन जिले के लिए प्रस्थान करेंगे।



जनपद परिसर में अतिक्रमण का जाल, जिम्मेदारों की चुप्पी पर उठे सवाल



शासकीय परिसर में ही नियमों की अनदेखीए आम नागरिकों में चर्चा का विषय

गोटेगांव यशभारत। नगर के प्रमुख शासकीय स्थलों में शामिल जनपद पंचायत परिसर इन दिनों अवैध अतिक्रमण का केंद्र बनता जा रहा है। परिसर के भीतर और आसपास कथित रूप से अवैध रूप से दुकानें एवं अन्य गतिविधियां संचालित की जा रही हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है।

हैरानी की बात है कि जिस जनपद परिसर में प्रतिदिन वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों और नेताओं का आना-जाना रहता हैए वहीं खुलेआम अतिक्रमण होना कई सवाल खड़े कर रहा है। आम लोगों का कहना है कि यदि प्रशासनिक व्यवस्था के केंद्र की यह स्थिति है, तो नगर के अन्य क्षेत्रों में अतिक्रमण कौन रोकेगा। स्थानीय लोगों के अनुसार परिसर में अस्थायी दुकानों और कब्जों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिससे शासकीय संपत्ति की सुरक्षा और नियमों के पालन पर प्रश्नचिह्न लग रहे हैं। जनता के बीच चर्चा है कि जिम्मेदार अधिकारी-कर्मचारी और जनप्रतिनिधि इस मामले पर मौन क्यों हैं। अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले को गंभीरता से लेकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करता है या यह मुद्दा भी फाइलों में दबकर रह जाएगा।

अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन पर खनिज विभाग की कार्रवाई

नरसिंहपुर यशभारत। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में जिले में खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध खनिज विभाग द्वारा कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में खनिज विभाग की टीम ने गोटेगांव क्षेत्र की रेत खदानों गंगई एवं करेली कला घाट नर्मदा नदी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अवैध रेत परिवहन करते पाए जाने पर एक ट्रैक्टर-ट्रॉली जप्त कर ठेमी थाने में खड़ी कराई गई। वहीं सांकल में बिना नंबर की एक अन्य ट्रैक्टर-ट्रॉली को भी अवैध परिवहन के मामले में जप्त किया गया।



नरसिंहपुर विकास योजना 2045 की 28 आपत्तियों एवं एक सुझाव पर समिति ने की सुनवाई

नरसिंहपुर यशभारत। नरसिंहपुर विकास योजना 2045 प्रारूप के जन.प्रकाशन के उपरांत प्राप्त आपत्तियों एवं सुझावों के निराकरण के लिए मध्यप्रदेश नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियमए 1973 की धारा 17 क 1 के अंतर्गत गठित समिति की सुनवाई बैठक सोमवार को कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में मध्यप्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास और श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल तथा कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह सहित शासन द्वारा गठित समिति के सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में नरसिंहपुर विकास योजना 2045 के प्रारूप पर प्राप्त कुल 28 आपत्तियों एवं एक सुझाव पर समिति द्वारा विस्तार से सुनवाई की गई। समिति ने प्रत्येक आपत्ति एवं सुझाव पर तकनीकी और व्यावहारिक पहलुओं को ध्यान में रखते हुए विचार.विमर्श किया तथा संबंधित पक्षों के अभिमतों को सुना। समिति द्वारा नियमानुसार समस्त आपत्तियों एवं सुझावों पर विचार करते हुए प्रकरण में अंतिम निर्णय के लिए शासन को प्रतिवेदन प्रेषित किया जाएगा। बैठक में नपा अध्यक्ष नीरज दुबे, रामसनेही पाठक, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एनपी प्रजापति, पूर्व विधायक सुनील जायसवाल, महंत प्रीतमपुरी गोस्वामी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा सहित अधिकारी- कर्मचारी और सरपंच मौजूद थे।

हुतात्मा दिवस पर विहिप-बजरंग दल ने जिला अस्पताल में आयोजित किया रक्तदान एवं रक्त परीक्षण शिविर



कोठारी बंधुओं सहित राम मंदिर आंदोलन के हुतात्माओं को किया याद, रक्तदान के माध्यम से दिया मानव सेवा का संदेश

नरसिंहपुर यशभारत। हुतात्मा दिवस के अवसर पर विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल द्वारा नरसिंहपुर जिला अस्पताल स्थित ब्लड बैंक में रक्तदान एवं रक्त परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला मीडिया प्रभारी राधे साहू ने हुतात्मा दिवस के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि अयोध्या में राम मंदिर आंदोलन के दौरान कोठारी बंधुओं सहित अनेक कारसेवकों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया था। उनकी स्मृति में विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल द्वारा हुतात्मा दिवस पर देशभर में रक्तदान जैसे सेवा कार्य आयोजित किए जाते हैं। राधे साहू ने कहा कि रक्तदान केवल एक सामाजिक कार्य नहीं, बल्कि किसी जरूरतमंद व्यक्ति को जीवनदान देने का माध्यम है। दुर्घटना, गंभीर बीमारी, प्रसव एवं अन्य आपातकालीन परिस्थितियों में रक्त की आवश्यकता पड़ती है। ऐसे में युवाओं को आगे आकर नियमित रूप से रक्तदान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि संगठन अपने सामाजिक एवं सेवा कार्यों के माध्यम से समाज में सेवा समर्पण और सहयोग की भावना को मजबूत करने का प्रयास कर रहा है। शिविर के आयोजन में जिला अस्पताल ब्लड बैंक की ओर से श्रीमती डॉ. स्वाति मीणा ब्लड बैंक ऑफिसर, एमएल चौधरी ब्लड बैंक इंचार्ज एवं मीनाक्षी चोपड़ा नर्सिंग ऑफिसर का विशेष सहयोग रहा। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने रक्त परीक्षण एवं रक्तदान संबंधी आवश्यक प्रक्रियाओं में सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम में शिवम राय जिला संयोजक, कार्तिक नेमा सहसंयोजक धर्म प्रसार प्रमुख के साथ नगर संयोजक शुभम मेहतर, लक्की मेहतर, युवराज मेहतर, आकाश पटेल, सतीश मेहतर एवं दीपक लोधी सहित विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पल्स पोलियो अभियान में 0 से 5 वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को पिलाई जाए पोलियो की दो बूंद

नरसिंहपुर यशभारत। जिले में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार कर 0 से 5 वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को पोलियो की दो बूंद दवा पिलाना सुनिश्चित किया जाए। अभियान के दौरान कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित नहीं रहना चाहिए। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग माइक्रोप्लान तैयार कर सभी निर्धारित पोलियो बूथों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करे। यह निर्देश कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान की जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक में दिए।

कलेक्टर श्रीमती सिंह ने 22 नवंबर 2026 को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के सफल क्रियान्वयन एवं शत प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने के लिए सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के साथ महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, पंचायत एवं ग्रामीण विकासए नगरीय प्रशासन, राजस्व एवं परिवहन विभाग सहित अन्य संबंधित विभाग अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाएं। यह अभियान 24 नवंबर तक आयोजित किया जाएगा। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने निर्देशित किया कि जिले के सभी निर्धारित पोलियो बूथों पर प्रशिक्षित कर्मचारियों एवं आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। आंगनवाड़ी एवं आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों की सूची तैयार कर प्रत्येक बच्चे तक पहुंच बनाई जाए। स्कूलों, आंगनवाड़ी केन्द्रों, ग्राम पंचायतों एवं नगरीय क्षेत्रों में अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, जिससे अभिभावक अपने बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं। उन्होंने बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, निर्माण स्थलों, ईंट भट्टों एवं प्रवासी आबादी वाले क्षेत्रों में विशेष टीकाकरण व्यवस्था करने के निर्देश दिए। अभियान के दौरान पोलियो की खुराक पीने से छूटे बच्चों को अगले दिन घर-घर जाकर दवा पिलाई जाए। इसके लिए जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों एवं धर्मगुरुओं का सहयोग लेकर जनभागीदारी भी सुनिश्चित की जाए।



साथ ही विकासखंड स्तर पर अभियान की नियमित मॉनिटरिंग एवं प्रतिदिन की प्रगति की समीक्षा करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि अभियान को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निर्धारित समय-सीमा में सभी तैयारियां पूर्ण करें तथा व्यापक जनजागरूकता के माध्यम से आमजन की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष कुमार मिश्रा एवं जिला स्वास्थ्य अधिकारी 3 डॉ. जीपी भनारिया ने अभियान की कार्ययोजना एवं तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले के सभी विकासखंडों में माइक्रोप्लानिंग, पोलियो बूथों की व्यवस्था, वैक्सीन एवं आवश्यक मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित करने की कार्यवाही की जा रही है।

इस दौरान जिले के सभी नागरिकों एवं अभिभावकों से अपील की है कि वे 22 नवंबर 2026 को अपने 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को निकटतम पोलियो बूथ पर ले जाकर पोलियो की दो बूंद अवश्य पिलाएं। बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर इस अभियान को सफल बनाने में सहभागी बनें। प्रत्येक बच्चे तक पोलियो की खुराक पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। बैठक में अपर कलेक्टर अरविंद कुमार सिंहए सभी एसडीएम और विभिन्न विभागों के

जन शिक्षक एवं बीएसी प्रतिनियुक्ति में नियमों की अनदेखीए कलेक्टर जनसुनवाई में सौंपा ज्ञापन

नरसिंहपुर यशभारत। जिला शिक्षा केंद्र द्वारा सवा छह वर्ष के लंबे अंतराल के बाद आयोजित की जा रही जन शिक्षक एवं ब्लॉक एकेडमिक समन्वयक की प्रतिनियुक्ति प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। मंगलवार को आयोजित कलेक्टर जनसुनवाई में इस संपूर्ण प्रक्रिया में नियमों की खुली अवहेलना और मनमानी का आरोप लगाते हुए एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन की प्रति स्कूल शिक्षा मंत्री, राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के आयुक्त तथा जिला परियोजना समन्वयक को भी त्वरित संज्ञान हेतु प्रेषित की गई है। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि काउंसलिंग से पूर्व आवेदकों की पात्र एवं अपात्र सूची को सार्वजनिक नहीं किया गया और न ही किसी प्रकार की दावा.आपत्ति दर्ज कराने का अवसर दिया गया, जो किसी भी शासकीय चयन प्रक्रिया के बुनियादी नियमों का खुला उल्लंघन है। इसके साथ ही निर्धारित प्रक्रिया के विपरीत पहले बीएसी की जगह जन शिक्षकों की काउंसलिंग कराकर सूची से नाम हटाने की भ्रामक पद्धति अपनाई जा रही है। अभ्यर्थियों ने मौके पर मेरिट आधारित खुली काउंसलिंग के बजाय चार.चार स्थानों के विकल्प भरवाने की व्यवस्था पर भी कड़ा एतराज जताया है। उनका कहना है कि इस अपारदर्शी व्यवस्था से स्वेच्छाचारिता और अनुचित प्रभाव की गुंजाइश बढ़ गई हैए जिससे योग्य शिक्षकों को दूरदराज पदस्थापना मिलने पर पदभार न ग्रहण करने की स्थिति बनेगी और पद रिक्त रह जाएंगे। साथ ही आयु सीमा में भी दोहरा मापदंड अपनाते हुए नए आवेदकों को रोका जा रहा है, जबकि पूर्व से काबिज अधिक आयु वाले अमले को यथावत रखा गया है। ज्ञापन में विकासखंडवार अनियमितताओं के प्रमाण भी प्रस्तुत किए गए हैं।

हार्दिक पंड्या की टीम इंडिया में वापसी के लिए शुभमन गिल ने रखी शर्त, कहा- डोमेस्टिक क्रिकेट खेलना होगा

ऑकलैंड, एजेंसी।

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या इंजरी की वजह से लंबे समय से क्रिकेट के मैदान से दूर हैं। आईपीएल के बाद उन्होंने कोई मैच नहीं खेला है। भारतीय टीम जल्द हार्दिक की वापसी चाहती है, लेकिन वापसी से पहले घरेलू क्रिकेट में उन्हें अपनी फिटनेस साबित करनी होगी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 5 वनडे मैचों की सीरीज बुधवार से शुरू हो रही है। हार्दिक इंजरी की वजह से इस सीरीज का हिस्सा नहीं हैं। टीम इंडिया निश्चित रूप से सीरीज में उनकी कमी महसूस करेगी।

गिल ने हार्दिक को अहम खिलाड़ी बताया- भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने मंगलवार को प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, अगले विश्व कप के लिए टीम हार्दिक की वापसी का इंतजार कर रही है। वह एक बेहतरीन ऑलराउंडर हैं। दुनिया में बहुत कम ऐसे खिलाड़ी हैं जिनके पास हार्दिक जैसी क्षमता है। एक गेंदबाज के तौर पर, आप उन्हें गेम के अलग-अलग हिस्सों में इस्तेमाल कर सकते हैं। वह नई और पुरानी गेंद से गेंदबाजी कर सकते हैं।

हार्दिक पंड्या घरेलू क्रिकेट खेलना होगा

शुभमन गिल के अनुसार हार्दिक पंड्या को टीम इंडिया में वापसी से पहले घरेलू मैच खेलेंगे होंगे। उन्होंने कहा- हमारी कई बार बात हुई है। वह अपनी चोटों को लेकर बदकिस्मत हैं। आईपीएल के बाद से नहीं खेले हैं। उम्मीद है, वह जल्द ही वापस आएंगे। वह कुछ डोमेस्टिक क्रिकेट खेलेंगे। उम्मीद है कि हम उन्हें जल्द ही इंडियन टीम में वापस लाएंगे।भारतीय कप्तान गिल के बयान से स्पष्ट है कि टीम इंडिया में वापसी से पहले हार्दिक को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी या विजय हजारे ट्रॉफी में खेलना होगा और अपनी फिटनेस साबित करनी होगी। इंजरी की वजह हार्दिक ने इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, न्यूजीलैंड जैसी बड़ी सीरीज में खेलने का मौका गंवाया है।



हार्दिक सीओई में रिकवरी कर रहे

बता दें कि हार्दिक पंड्या इंजरी आखिरी बार 24 मई 2026 को आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए दिखे थे। इंजरी से रिकवरी के लिए फिलहाल वह बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में है। भारतीय टीम में वापसी के लिए हार्दिक कड़ी मेहनत कर रहे हैं। देखना होगा कि वह सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी या विजय हजारे ट्रॉफी में खेलने के लिए सीओई द्वारा फिट घोषित किए जाते हैं या नहीं।

न्यूजीलैंड की परेशानी बढ़ी-मैट हेनरी के साथ मैदान पर जोरदार टक्कर, डेवोन कॉन्वे को अस्पताल ले जाना पड़ा, पहले वनडे से बाहर हुए



ऑकलैंड, एजेंसी।

भारत के खिलाफ वनडे सीरीज शुरू होने से पहले न्यूजीलैंड की परेशानी बढ़ती ही जा रही है। टीम के ऑलराउंडर रचिन रविंद्र और स्टार बल्लेबाज मार्क चैपमैन पहले ही इंजरी की वजह से बाहर हो चुके हैं। अब सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉन्वे भारत के खिलाफ वनडे सीरीज के पहले मैच में बाहर हो गए हैं। 4 नवंबर को दोनों टीमों के बीच सीरीज का पहला मुकाबला ऑकलैंड के ईडन पार्क में होना है।

फील्डिंग के समय हुई कॉन्वे की टक्कर

ट्रेनिंग सेशन के दौरान मैट हेनरी से टकराने की वजह से उन्हें कन्कशन हो गया है। दोनों खिलाड़ी कैच पकड़ने की कोशिश में आपस में टकरा गए। दोनों को तुरंत मेडिकल मदद दी गई और उनके सिर की चोट की जांच की गई। हेनरी की स्थिति पर नजर रखी जा रही है। वहीं को कॉन्वे को आगे की जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उनमें कन्कशन का पता चला है। न्यूजीलैंड क्रिकेट की तरफ से बयान में कहा गया, च्कॉन्वे को आगे की जांच के लिए ए एंड ई ले जाया गया, जिसमें कन्कशन की पुष्टि हुई, जिससे वह बुधवार को भारत के खिलाफ होने वाले पहले वनडे से बाहर हो गए हैं। दोनों खिलाड़ियों पर नजर रखी जाएगी और भारत के खिलाफ वनडे सीरीज में उनके शामिल होने पर भी नजर रखी जाएगी।

मैट हेनरी टी20 सीरीज में चोटिल हुए थे

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी भी चोट से वापसी कर रहे हैं। भारत के खिलाफ टी20 सीरीज के दूसरे मैच में दो ओवर डालने के बाद वह बाहर चले गए थे।

विराट न्यूज़ीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में बना सकते हैं ये तीन रिकार्ड

एडीलेड (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली न्यूज़ीलैंड के खिलाफ बुधवार को शुरु हो रही पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज में तीन बड़े रिकार्ड अपने नाम कर सकते हैं। ये ऐसे रिकार्ड है जिन्हें तोड़ने के करीब भी कोई अन्य क्रिकेटर नहीं है। ऐसे में दुनिया भर की नजरें विराट की बल्लेबाजी पर रहेंगी। इसमें पहला बड़ा रिकॉर्ड विदेशी धरती पर 50 से अधिक रन बनाने का है। विदेशी धरती पर एकदिवसीय मैचों में कोहली अब तक 49 बार 50 या उससे ज्यादा रनों की पारी खेल चुके हैं। इस सीरीज़ में केवल एक और बार 50 रन बनाते ही वह दुनिया के पहले ऐसे बल्लेबाज बन जाएंगे, जिन्होंने विदेशी मैदानों पर पचास बार यह कारनामा किया होगा। यह आंकड़े उनकी निरंतरता और दबाव में प्रदर्शन करने की क्षमता को दिखाते हैं।



इसके अलावा, एकदिवसीय क्रिकेट इतिहास में नंबर-3 पर बल्लेबाजी करते हुए विराट ने अपने 13,000 रन पूरे करने से केवल 2 रन दूर हैं। अब तक उन्होंने नंबर-3 पर 250 पारियों में 61.55 की औसत से 12,988 रन बनाए हैं। इस आंकड़े तक पहुंचने पर वह सचिन तेंदुलकर के बाद ये उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे बल्लेबाज होंगे। सचिन ने बतौर सलामी बल्लेबाज 15,310 रन बनाए थे पर नंबर तीन पर कोहली का दबदबा अब तक बना हुआ है।तीसरा और सबसे बड़ा रिकॉर्ड लिस्ट-ए क्रिकेट में सर्वाधिक शतकों का है। अभी विराट और सचिनसंयुक्त रूप से 60-60 शतकों के साथ शीर्ष पर हैं। न्यूज़ीलैंड के खिलाफ सीरीज़ में अगर कोहली एक भी शतक लगाने में कामयाब हो जाते हैं, तो वह लिस्ट-ए क्रिकेट के पूरे इतिहास में सबसे ज्यादा 61 शतक लगाने वाले दुनिया के इकलौते बल्लेबाज बन जाएंगे। यह उपलब्धि उन्हें क्रिकेट के दिग्गजों की सूची में और भी ऊँचा स्थान दिलाएगी। इसके अतिरिक्त, एकदिवसय अंतरराष्ट्रीय मैचों में उनके नाम 55 शतक दर्ज हैं, जो यह दिखाता है कि उनकी फॉर्म कितनी शानदार रही है। अपने इस शानदार फॉर्म और रिकॉर्ड्स को तोड़ने की प्रबल इच्छा के बल पर विराट इस दौरे को यादगार बना सकते हैं।



खुशबू दरजादा ने यूथ ओलंपिक में भारत के लिए जीता सिल्वर, धिनिधि देसिंघु ने स्विमिंग में रचा इतिहास

डकार (सेनेगल), एजेंसी।

यूथ ओलंपिक में भारत के लिए धिनिधि देसिंघु ने स्विमिंग में ब्रॉन्ज मेडल जीत लिया है। महिला 100 मीटर फ्रीस्टाइल के फाइनल में वह 56.27 सेकंड का समय लेकर तीसरे नंबर पर रहीं। क्रोएशिया की एना बोबानोविच ने 55.89 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि न्यूजीलैंड की एलिसा लॉसन 56.13 सेकंड के समय के साथ रजत पदक जीतने में सफल रहीं। यह ग्लोबल स्टेज पर किसी भी एज ग्रुप में भारत का पहला स्वमिंग मेडल है।

बेंगलुरु की 16 वर्षीय धिनिधि देसिंघु ने इससे पहले हीट में 56.80 सेकंड का समय लेकर अपनी स्पर्धा में शीर्ष स्थान हासिल किया था। वह फाइनल के लिए तीसरी सबसे तेज तैराक के रूप में क्वालीफाई हुई थीं। हीट में बोबानोविच (56.22 सेकंड) और लॉसन (56.53 सेकंड) ही उनसे तेज रही थीं। वह पेरिस खेलों में भारत की सबसे युवा एथलीट थीं।

गोल्ड मेडल से चूक गईं खुशबू

वहीं जूडो खिलाड़ी खुशबू राजकभाई दरजादा ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया है। खुशबू युवा ओलंपिक के फाइनल में पहुंचने वाली दूसरी भारतीय जूडो खिलाड़ी हैं। महिला 63 किग्रा वर्ग के फाइनल में जर्मनी की कैडेट विश्व चैंपियन जोलिना रेनहोल्ड के खिलाफ हार झेलनी पड़ी। गुजरात की खुशबू के पास यूथ ओलंपिक में जूडो का पहला गोल्ड जीतने वाली भारतीय बनने का मौका था लेकिन वह चूक गई। यूथ ओलंपिक गेम्स में भारत के लिए सिल्वर मेडल जीतना एक बहुत ही खास एहसास है। मैंने हर मुकाबले में अपना बेस्ट दिया और जिस तरह से लड़कर मैं फाइनल तक पहुंची, उससे मैं खुश हूं। मुझे गोल्ड मेडल जीतने की बहुत इच्छा थी, लेकिन इस अनुभव ने मुझे बहुत कुछ सिखाया है और मुझे और कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित किया है। मैं पिछले तीन सालों से वीबीएफ में ट्रेनिंग ले रही हूं। मेरे कोच, परिवार तथा जिन लोगों ने भी मेरा समर्थन किया है।

रंग संसार



बेटे को पता चला कि मैं रावण की भूमिका में हूं तो वह हैरान रह गया: यश

मुंबई (यशभारत)। आगामी भव्य फिल्म रामायण में रावण की भूमिका निभा रहे अभिनेता यश ने फिल्म की तैयारियों और अपने परिवार से जुड़े एक बेहद दिलचस्प और भावुक किस्से को साझा किया। अभिनेता यश ने बताया कि जब उनके छोटे बेटे को इस बात की जानकारी मिली कि उनके पिता इस पौराणिक कहानी में भगवान राम की भूमिका निभाने के बजाय रावण का किरदार निभाने जा रहे हैं, तो वह काफी हैरान रह गया। एक छोटे बच्चे के लिए यह स्वीकार कर पाना काफी मुश्किल था कि उसके पिता किसी कहानी में मुख्य खलनायक या नकारात्मक भूमिका में हो सकते हैं। यश के अनुसार, उनके बेटे को यह तो अच्छी तरह पता है कि उसके पिता एक मशहूर अभिनेता हैं, लेकिन जब उसे रामायण की पूरी कथा और उसके पात्रों के बारे में बताया गया, तो उसने मासूमियत से अपने पिता से पूछा कि वे इतने बुरे इंसान का किरदार कैसे निभा सकते हैं? उसने अपने पिता से यहां तक कह दिया कि वे



तो अच्छे इंसान हैं, फिर वे ऐसा क्यों कर रहे हैं? बच्चे के इन मासूम सवालों का जवाब देने के लिए अभिनेता को उसे अपने पास बिठाकर काफी विस्तार से पूरी बात समझानी पड़ी। उन्होंने अपने बेटे को समझाया कि किसी भी महान कथा को सही और पूर्ण रूप से समझने के लिए उसके हर पहलू और हर किरदार को पर्दे पर दिखाना बहुत जरूरी होता है। उन्होंने अपने बेटे को सीख देते हुए कहा कि इस महान कहानी में भगवान राम ही वह मुख्य और सर्वश्रेष्ठ आदर्श हैं, जिनके बताए रास्ते पर हर इंसान को चलना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि रावण भले ही कितना भी शक्तिशाली और प्रभावशाली क्यों न दिखाई दे।

कॅरियर के शुरुआत में इलियाना को लगता था कैमरे से डर

मुंबई (यशभारत)। बॉलीवुड अभिनेत्री इलियाना डिक्रूज ने दक्षिण भारतीय सिनेमा से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। इसके बाद में हिंदी सिनेमा में भी अपनी पहचान बनाई। फिल्म बर्फी में उनके सशक्त अभिनय ने उन्हें देश भर में घर-घर में लोकप्रिय बना दिया। आज पर्दे पर अपनी खूबसूरती और अभिनय का जादू बिखेरने वाली इलियाना शुरुआत में कैमरे के सामने आने और मॉडलिंग करने से काफी घबराती थीं। इलियाना डिक्रूज के पिता रोनाल्डो डिक्रूज और मां समीरा डिक्रूज हैं। उनका परिवार मूल रूप से गोवा राज्य से संबंध रखता है। जब इलियाना लगभग 10 वर्ष की थीं, तब उनका पूरा परिवार गोवा में जाकर बस गया और वहीं उनकी प्रारंभिक शिक्षा पूरी हुई। बचपन के दिनों में उन्होंने कभी भी अभिनेत्री बनने का सपना नहीं देखा था। उनकी मॉडलिंग की दुनिया में प्रवेश की कहानी भी काफी दिलचस्प है। उनकी मां जिस स्थान पर कार्य करती थीं, वहां के एक प्रबंधक ने इलियाना को देखकर उनकी मां को उन्हें मॉडलिंग क्षेत्र में भेजने का सुझाव दिया। शुरुआत में इलियाना को कैमरे का सामना करने में काफी हिचकिचाहट होती थी। वर्ष 2003 में जब उनका पहला व्यावसायिक पोर्टफोलियो तैयार हुआ, तो उन्हें वह बिल्कुल पसंद नहीं आया था। हालांकि, धीरे-धीरे उन्होंने



फैशन शो और विज्ञापनों में काम करना शुरू किया। मॉडलिंग के दौरान ही उन्हें 17 वर्ष की उम्र में वर्ष 2006 में प्रदर्शित तेलुगु फिल्म देवदासु में अभिनय करने का मौका मिला। इस पहली ही रोमांटिक फिल्म में उनके भानुमति के किरदार को दर्शकों ने बेहद पसंद किया। इस फिल्म के शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें दक्षिण भारतीय सिनेमा का प्रतिष्ठित फिल्मफेयर बेस्ट फीमेल डेब्यू पुरस्कार प्रदान किया गया। पहली ही फिल्म में मिले इस बड़े सम्मान ने उनके आत्मविश्वास को कई गुना बढ़ा दिया। इसके बाद उन्होंने पोकीरी, जलसा, किक और जुलाई जैसी कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों में काम किया और दक्षिण भारत की शीर्ष अभिनेत्रियों में शामिल हो गईं। वर्ष 2012 में उन्होंने फिल्म बर्फी के माध्यम से हिंदी सिनेमा में कदम रखा। इस फिल्म में 1970 के दशक की बंगाली लड़की का किरदार निभाना उनके लिए काफी चुनौतीपूर्ण था, लेकिन उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए उन्हें बॉलीवुड में भी बेस्ट फीमेल डेब्यू का फिल्मफेयर पुरस्कार मिला। इसके बाद उन्होंने रुस्तम, रेड, मैं तेरा हीरो और बादशाहो

ऑस्कर की रेस में शामिल हुई प्रियंका की वी वर हियर



मुंबई (यशभारत)। ग्लोबल अभिनेत्री और फिल्म निर्माता प्रियंका चोपड़ा जोनस के खाते में एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है।अभिनेत्री द्वारा निर्मित भारतीय शॉर्ट फिल्म वी वर हियर विश्व के सबसे प्रतिष्ठित एकेडमी अवॉर्ड्स यानी ऑस्कर पुरस्कारों की दौड़ में शामिल होने के लिए आधिकारिक रूप से योग्य घोषित हो गई है। अपनी ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रियंका ने कहा कि यह फिल्म वर्तमान समय के एक अत्यंत प्रासंगिक और गंभीर विषय को बहुत ही अनोखे, मनोरंजक और नए दृष्टिकोण के साथ दर्शकों के सामने प्रस्तुत करती है। प्रियंका चोपड़ा जोनस इस बहुचर्चित शॉर्ट फिल्म से कार्यकारी निर्माता के रूप में जुड़ी हुई हैं। यह फिल्म वास्तव में एक मॉक्यूमेंट्री शैली में बनाई गई काल्पनिक वृत्तचित्र कहानी है। इसकी पटकथा भारत के एक छोटे से शहर में रहने वाले तीन ऐसे बुजुर्ग व्यक्तियों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो समाज में तेजी से बढ़ते आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई के प्रभाव और हस्तक्षेप का विरोध करने का एक अनोखा रास्ता चुनते हैं। एआई की तकनीक को रोकने और उसका विरोध दर्ज कराने के लिए वे तीनों बुजुर्ग खुद विभिन्न घरेलू इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का रूप धारण कर लेते हैं। यह बेतुका लेकिन विचारणीय विचार फिल्म को काफी मनोरंजक बनाता है। ऑस्कर की रेस में जगह बनाने से पहले इस शॉर्ट फिल्म ने दुनिया भर के कई प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सवों में अपनी सफलता का परचम लहराया है। प्रसिद्ध पाम स्प्रिंग्स इंटरनेशनल शॉर्टफेस्ट में इस फिल्म ने बेस्ट लाइव-एक्शन शॉर्ट फिल्म और बेस्ट कॉमेडी शॉर्ट जैसे दो बड़े और मुख्य पुरस्कार अपने नाम किए थे। इन प्रतिष्ठित पुरस्कारों को जीतने के बाद ही इस फिल्म के लिए ऑस्कर की प्रतिस्पर्धा में शामिल होने का मार्ग प्रशस्त हुआ। जानकारों का मानना है कि आधुनिक तकनीक और मानव जीवन के संघर्ष को इस तरह के व्यंग्यात्मक रूप में पेश करना ही इस फिल्म की सबसे बड़ी यूएसपी है।

सिद्धार्थ और कियारा के साथ वरुण ने शेयर की तस्वीर, लिखा आत्मीय संदेश

मुंबई (यशभारत)। सोशल मीडिया पर बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन ने अपने सह-कलाकार सिद्धार्थ मल्होत्रा और उनकी पत्नी अभिनेत्री कियारा आडवाणी के साथ अपनी हालिया मुलाकात की बेहद खूबसूरत तस्वीर साझा की है। साझा की गई इस तस्वीर में तीनों कलाकार काफी प्रसन्न मुद्रा में नजर आ रहे हैं, जहां पीछे कियारा एक मजाकिया अंदाज में पोज दे रही हैं और सिद्धार्थ अपनी पत्नी का ध्यान रखते दिखाई दे रहे हैं। इस तस्वीर के सामने आने के बाद लंबे समय से दोनों अभिनेताओं के बीच किसी भी प्रकार की व्यावसायिक प्रतिद्वंद्विता या आपसी मनमुटाव की चल रही तमाम अफवाहों और अटकलों पर पूरी तरह से विराम लग गया है। वरुण धवन ने इस तस्वीर को अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा करते हुए एक बेहद आत्मीय संदेश भी लिखा। उन्होंने लिखा कि आपस में विचार-विमर्श या किसी बात पर बहस होना एक अलग विषय है, लेकिन उनके और उनके भाई समान मित्र सिद्धार्थ के बीच कभी भी कोई



प्रतिद्वंद्विता नहीं रही है। इसके साथ ही उन्होंने शानदार आतिथ्य और मेहमाननवाजी के लिए अपनी भाभी यानी कियारा आडवाणी का विशेष रूप से धन्यवाद भी व्यक्त किया। इस पोस्ट ने दोनों कलाकारों के प्रशंसकों का दिल जीत लिया है और सोशल मीडिया पर यह तस्वीर तेजी से प्रसारित हो रही है। गौरतलब है कि वरुण धवन और सिद्धार्थ मल्होत्रा ने वर्ष 2012 में प्रदर्शित करण जौहर की बहुचर्चित फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर से एक साथ अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेत्री आलिया भट्ट ने भी अपना पहला कदम रखा था। अपनी पहली ही फिल्म से इन तीनों ही कलाकारों ने दर्शकों के दिलों में अपनी खास जगह बनाई और समय के साथ बॉलीवुड में खुद को स्थापित और सफल अभिनेताओं के रूप में साबित किया। यद्यपि उस पहली फिल्म के बाद वरुण और सिद्धार्थ ने किसी भी अन्य प्रोजेक्ट में एक साथ काम नहीं किया, लेकिन दोनों के बीच हमेशा एक सम्मानजनक और गहरा दोस्ताना रिश्ता कायम रहा है। वरुण धवन के कियारा आडवाणी के साथ भी बेहद अच्छे पेशेवर और व्यक्तिगत संबंध हैं। दोनों ने वर्ष 2022 में आई पारिवारिक पृष्ठभूमि पर आधारित फिल्म जुग जुग जियो में मुख्य भूमिकाएं निभाई थीं।

तीन जिंदगियों को मिला नया जीवन

लिवर ने अहमदाबाद में बचाई साँसें
जबलपुर में दोनों किडनियों का सफल ट्रांसप्लांट



बड़ेरिया मेट्रो प्राइम हॉस्पिटल में अंगदाता नरेंद्र कुमार रजक को दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर, अंतिम संस्कार से पूर्व प्रशासन ने जताया सम्मान

जबलपुर, यश भारत। संस्कारधानी जबलपुर में सड़क दुर्घटना का शिकार हुए 40 वर्षीय नरेंद्र कुमार रजक की 'ब्रेन स्टेम डेथ' के बाद उनके परिजनों द्वारा लिए गए अंगदान के फैसले ने तीन परिवारों को नया जीवन दिया है। देर रात हुई इस पूरी प्रक्रिया के बाद मंगलवार सुबह तक सभी अंगों के सफल प्रत्यारोपण (ट्रांसप्लांट) की खबर आ गई। अंतिम संस्कार से पूर्व बड़ेरिया मेट्रो प्राइम हॉस्पिटल में शासन की ओर से दिवंगत नरेंद्र कुमार रजक को पूरे सम्मान के साथ 'गार्ड ऑफ ऑनर' देकर उनकी अमूल्य देह-सेवा को नमन किया गया।



जबलपुर के दो मरीजों को किडनियों से मिली नई जिंदगी

दूसरी ओर, ग्रीन कॉरिडोर के माध्यम से दोनों किडनियों को भी जबलपुर में ही जरूरतमंद मरीजों तक पहुँचाया गया:

- मेडिकल कॉलेज (सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल): यहाँ तड़के 4:00 बजे किडनी का सफल ट्रांसप्लांट किया गया। जिस मरीज को किडनी दी गई, उनकी दोनों किडनियां खराब थीं और वे लंबे समय से डोनर के इंतजार में वेटिंग लिस्ट में थे।
- मेट्रो प्राइम हॉस्पिटलः यहाँ भी दूसरी किडनी का सफल ट्रांसप्लांट हुआ। यह मरीज लंबे समय से गंभीर स्थिति में डायलिसिस पर थीं और उनकी स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही थी।

सर्जरी के दौरान बदला फैसला, अहमदाबाद भेजा गया केवल लिवर

चिकित्सकों द्वारा अंगों को सुरक्षित निकालने के दौरान की गई तकनीकी जांच में यह पाया गया कि हृदय (हार्ट) ट्रांसप्लांट के मापदंडों के योग्य नहीं है। इसलिए डॉक्टरों की सलाह पर हृदय को अहमदाबाद न भेजने का निर्णय लिया गया। हालांकि, लिवर को पूर्णतः स्वस्थ पाए जाने पर तत्काल अहमदाबाद रवाना किया गया, जहाँ सुबह 7:00 बजे सफल सर्जरी संपन्न हुई।

यदि 2 दिन में लिवर न मिलता तो चली जाती मरीज की जान

अहमदाबाद से मिली चिकित्सकीय जानकारी के अनुसार, जिस मरीज को नरेंद्र कुमार रजक का लिवर प्रत्यारोपित किया गया है, उसकी स्थिति बेहद गंभीर और नाजुक बनी हुई थी। डॉक्टरों के मुताबिक यदि अगले दो दिनों के भीतर मरीज को लिवर नहीं मिलता, तो उन्हें बचाना असंभव हो जाता। जबलपुर के इस अंगदान ने समय रहते उस मरीज को नई जिंदगी दे दी।

प्रशासनऔर ट्रैफिक पुलिस की रही अहम भूमिका

अंगदान से लेकर अंगों को सुरक्षित गंतव्य तक पहुँचाने में शासन, जिला प्रशासन, जिला पुलिस एवं ट्रैफिक पुलिस की भूमिका अत्यंत सराहनीय रही। अंगों की निर्बाध आवाजाही के लिए मेट्रो प्राइम हॉस्पिटल से एयरपोर्ट और मेट्रो प्राइम हॉस्पिटल से मेडिकल कॉलेज तक दो अलग-अलग ग्रीन कॉरिडोर बनाए गए। ट्रैफिक पुलिस ने मुस्तैदी के साथ पूरे मार्ग को क्लियर रखा, जिससे बेहद कम समय में अंग निर्धारित स्थानों पर पहुँच सके। वहीं, प्रशासनिक स्तर पर आधारताल एसडीएम मदन सिंह रघुवंशी देर रात तक मेट्रो अस्पताल में डटे रहे और एयरपोर्ट से चार्टर्ड प्लेन के रवाना होने तक पूरी व्यवस्था की सतत निगरानी की।



बड़ेरिया मेट्रो प्राइम हॉस्पिटल का अनुकरणीय प्रयास व सराहनीय प्रबंधन

इस संपूर्ण अंगदान और प्रत्यारोपण प्रक्रिया की मुख्य धुरी बड़ेरिया मेट्रो प्राइम हॉस्पिटल रहा। मरीज यहीं भर्ती थे और परिजनों को काउंसलिंग से लेकर अंगदान के लिए मानसिक रूप से तैयार करने में अस्पताल प्रबंधन का विशेष योगदान रहा।मानवीय भावनाओं को सर्वोपरि रखते हुए मेट्रो प्राइम हॉस्पिटल की संपूर्ण डॉक्टर्स व पैरामेडिकल टीम ने देर रात तक लगातार काम किया। मेट्रो प्राइम हॉस्पिटल में ही अंगों को सुरक्षित निकालने की जटिल प्रक्रिया पूरी की गई और यहीं एक मरीज को सफलतापूर्व किडनी प्रत्यारोपित की गई। अस्पताल प्रबंधन, किडनी प्रत्यारोपण सर्जन डॉ. राजेश पटेल और उनकी पूरी टीम के इस तत्पर और समर्पित सहयोग की हर तरफ सराहना हो रही है।



नेत्रदान व त्वचा दान कर मिसाल पेश की

अंगदान के इस महायज्ञ में परिजनों ने नरेंद्र कुमार रजक की दो आँखें और त्वचा (स्किन) भी दान कीः नेत्रदानः दोनों आँखें देव जी नेत्रालय को सौंपी गईं, जिससे दो लोगों की आँखों की रोशनी वापस लौट सकेगी। त्वचा दान मृतक की स्किन को नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज अस्पताल की स्किन बैंक/बर्न यूनिट को सौंपा गया, जो गंभीर रूप से झुलसे या बर्न पीड़ितों के इलाज और जीवन रक्षा में अत्यंत मददगार साबित होगी। इस प्रकार नरेंद्र कुमार रजक ने न केवल अंगदान (लिवर व किडनियों) से तीन लोगों को नया जीवन दिया, बल्कि नेत्रदान और त्वचा दान के जरिए समाज के सामने मानवता की एक अद्भुत मिसाल कायम की।

आग की लपटों में दफन हुआ राज़ : अधजली लाश मिलने से हड़कंप

मेंहदवानी थाना क्षेत्र के मटियारी रैयत गांव की घटना, मौत के कारणों का पता लगाने में जुटी पुलिस

डिंडौरी यशभारत। जिले के मेंहदवानी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मटियारी रैयत के हाथीघाट ददरा में अज्ञात महिला का अधजला शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सुनसान इलाके में महिला का शव मिलने की खबर फैलते ही ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। घटना के बाद से ही महिला की पहचान और उसकी मौत के कारणों को लेकर तरह-तरह के



जानकारी के अनुसार, हाथीघाट ददरा के सुनसान क्षेत्र में महिला का अधजला शव मिलने की सूचना पुलिस को मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल मृतका की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस के सामने सबसे पहली चुनौती महिला की शिनाख्त करना है, ताकि उसकी मौत से जुड़े घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ी जा सकें।

हादसा या किसी वारदात का मामला?

सुनसान इलाके में अधजली अवस्था में शव मिलने से घटना की परिस्थितियां संदिग्ध बनी हुई हैं। महिला की मौत किन परिस्थितियों में हुई, शव किसने और किन कारणों से यहां छोड़ा तथा आग लगने की वजह क्या रही, ये ऐसे सवाल हैं जिनका जवाब पुलिस जांच के बाद ही सामने आ सकेगा। मामले में दुर्घटना, आत्महत्या अथवा आपराधिक घटना समेत सभी संभावित पहलुओं की जांच महत्वपूर्ण मानी जा रही है। फिलहाल पुलिस मृतका की पहचान करने के साथ घटना से जुड़े साक्ष्य जुटाने में लगी है। पोस्टमार्टम और आवश्यक फॉरेंसिक जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। अब क्षेत्रवासियों की नजर पुलिस जांच पर टिकी है कि आखिर इस रहस्यमयी घटना से कब पर्दा उठेगा और मृतका की पहचान कब सामने आएगी।

3 नकाबपोश बाइक धकेलकर चुरा ले गए, फुटेज में कैद हुई घटना



मंडला, यशभारत। मंडला शहर में नेहरू स्मारक के पास अमृतुल्य चाय दुकान के सामने खड़ी यामाहा क्रा5 बाइक चोरी होने का मामला सामने आया है। सोमवार सुबह करीब 6 बजे स्कूटी सवार 3 युवक ष्टष्ठञ्जङ्क कैमरे में बाइक ले जाते नजर आए। जानकारी के मुताबिक, बाइक राहुल वर्मे की थी। सोमवार सुबह करीब 6 बजे स्कूटी सवार तीन युवक दुकान के पास पहुंचे। इनमें से एक युवक स्कूटी से उतरा और बाइक को आगे बढ़ाने लगा। इसके बाद स्कूटी सवार बाकि 2 लोगों की मदद से बाइक को धक्का देते हुए तीनों पुल की ओर चले गए। बाइक मालिक राहुल वर्मे ने बताया कि उनका प्रिंटिंग का काम है और वे इसी जगह पर रहते हैं। सुबह करीब 5 बजे उन्होंने बाइक दुकान के सामने खड़ी देखी थी। कुछ देर बाद बाइक वहां से गायब मिली। राहुल के मुताबिक, आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखने पर बाइक ले जाते हुए तीन युवक दिखाई दिए। उन्होंने आशंका जताई कि युवक रात से ही इलाके में रेकी कर रहे थे। राहुल ने घटना की सूचना पुलिस को दे दी है। वे खुद भी बाइक की तलाश कर रहे हैं। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर युवकों की पहचान और बाइक की तलाश की जा रही है।

डेंगू का कहर

युवक की मौत, 7 माह की गर्भवती पत्नी भी संक्रमित

पुणे से लौटे दंपती की बिगड़ी थी तबीयत



स्वास्थ्य विभाग ने क्षेत्र में शुरू किया सर्वे

सतना। जिले में डेंगू संक्रमण से एक युवक की मौत का मामला सामने आया है। सिद्धार्थ नगर के वार्ड क्रमांक 8 निवासी 29 वर्षीय राजेश बुनकर ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इस घटना ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। सबसे चिंताजनक स्थिति यह है कि मृतक की पत्नी प्रियंका भी डेंगू से संक्रमित हैं और सात माह की गर्भवती हैं। पति की मौत के बाद परिवार के सामने अब उनके उपचार और होने वाले बच्चे की सुरक्षा की चिंता भी खड़ी हो गई है।

परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, राजेश अपनी पत्नी प्रियंका और भाई अजय के साथ पुणे में मजदूरी करते थे। इसी दौरान परिवार के सदस्यों की तबीयत बिगड़ने लगी। बुखार और उल्टी की शिकायत के बाद तीनों 29 अक्टूबर को सतना लौट आए। यहां चिकित्सकीय परामर्श लेने के बाद राजेश और प्रियंका की जांच कराई गई, जिसमें दोनों के डेंगू संक्रमित होने की पुष्टि हुई।

संक्रमण की पुष्टि के बाद प्रियंका को सिंधी कैंप स्थित हंसराज अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि राजेश का उपचार जिला अस्पताल के वार्ड क्रमांक 6 में शुरू हुआ। हालांकि, उपचार के बावजूद उनकी सेहत में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। इसके बाद परिजन उन्हें जिला अस्पताल से छुट्टी दिलाकर 31 अक्टूबर को पुष्पांजलि अस्पताल ले गए।

पुष्पांजलि अस्पताल में भी राजेश की हालत गंभीर बनी रही। परिजनों के मुताबिक, उनकी प्लेटलेट्स घटकर महज 27 हजार तक पहुंच गई थीं। एक नवंबर को उन्हें प्लेटलेट्स चढ़ाई गईं, लेकिन इसके बाद भी स्वास्थ्य में सुधार नहीं हुआ। चिकित्सकों ने बेहतर उपचार के लिए रीवा ले जाने की सलाह दी। परिजन उन्हें लेकर रीवा के लिए रवाना हुए, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई।

गर्भवती पत्नी की सेहत को लेकर चिंता

राजेश की मौत के बीच उनकी पत्नी प्रियंका की स्वास्थ्य स्थिति भी परिवार के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। वह सात माह की गर्भवती हैं और डेंगू संक्रमित पाए जाने के बाद अस्पताल में भर्ती थीं। जानकारी के अनुसार, एक नवंबर को उन्हें अस्पताल से छुट्टी दी गई थी। गर्भावस्था और डेंगू संक्रमण को देखते हुए उन्हें विशेष चिकित्सकीय निगरानी की आवश्यकता है।

स्वास्थ्य विभाग ने शुरू किया सर्वे

युवक की मौत की जानकारी सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम सक्रिय हुई। मलेरिया विभाग के अमले ने सिद्धार्थ नगर स्थित मृतक के घर और आसपास के क्षेत्र में पहुंचकर जांच शुरू की। क्षेत्र में दवा का छिड़काव भी कराया गया है। टीम परिवार की स्वास्थ्य संबंधी जानकारी जुटाने के साथ आसपास के लोगों में बुखार और संक्रमण के लक्षणों की स्थिति का पता लगा रही है।

घटना के बाद स्थानीय स्तर पर डेंगू से बचाव और मच्छरों के प्रजनन स्थलों को समाप्त करने की जरूरत एक बार फिर सामने आई है। हालांकि, राजेश की मौत के आधिकारिक चिकित्सकीय कारण की पुष्टि स्वास्थ्य विभाग की जांच और संबंधित चिकित्सकीय अभिलेखों के आधार पर ही स्पष्ट होगी।

हर बार मिला सिर्फ 'कल', अब नहीं उठूंगा ': बेटी की मौत कांड में न्याय के इंतजार में पथराई पिता की आंखें

रीवा यशभारत। गांधी स्मृति चिकित्सालय में कथित चिकित्सकीय लापरवाही से हुई कल्पना मिश्रा और उनके नवजात शिशु की मृत्यु के मामले में पीड़ित परिवार न्याय के लिए अब भी भटकने को मजबूर है। मजिस्ट्रियल जांच पूरी होने के दो महीने बीत जाने के बाद भी रिपोर्ट न मिलने से क्षुब्ध होकर मृतका के पिता राम शिरोमणि मिश्रा कलेक्ट्रेट परिसर में अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए हैं। मामले के अनुसार, 26 अगस्त को अस्पताल में डॉक्टरों की कथित लापरवाही के चलते कल्पना मिश्रा और उनके बच्चे की जान चली गई थी। इसके विरोध में परिजनों और जनसंगठनों ने अस्पताल परिसर में 15 दिनों तक उग्र धरना-प्रदर्शन किया था। उस दौरान जिला प्रशासन ने मामले की मजिस्ट्रियल जांच कराने और 15 से 25 दिनों के भीतर रिपोर्ट सौंपने का लिखित आश्वासन दिया था।कलेक्ट्रेट परिसर में धरने पर बैठे राम शिरोमणि मिश्रा ने बताया कि जांच अधिकारी (एसडीएम) द्वारा जांच प्रक्रिया पूरी कर रिपोर्ट जमा कराई जा चुकी है। इसके बावजूद कलेक्ट्रेट कार्यालय से उन्हें रिपोर्ट की प्रति नहीं दी जा रही है।



उन्होंने आरोप लगाया, 'मैं 65 किलोमीटर दूर गांव से लगातार चक्कर काट रहा हूँ। हर बार केवल 'कल आ जाना' कहकर टाल दिया जाता है और अब अधिकारी फोन भी नहीं उठाते। ' पीड़ित पिता ने स्पष्ट किया है कि जब तक उन्हें मजिस्ट्रियल जांच की अधिकृत प्रति नहीं मिल जाती, वे कलेक्ट्रेट परिसर से नहीं हटेंगे। उन्होंने शासन-प्रशासन से दोषियों पर सख्त कार्रवाई करने और पीड़ित परिवार को अविलंब न्याय दिलाने की मांग की है।



स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा पी.जी. इंन्फ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा. लि. प्लांट 18 इंडस्ट्रियल एरिया रिछाई, जबलपुर से मुद्रित एवं चिलमन चौक डॉ. अम्बेडकर वार्ड मण्डला से प्रकाशित। संपादक अम्बरीष तिवारी*, सलाहकार संपादक श्याम कटारे RNI No. MPHIN/2013/56138.
फोन-(0761) 2643333 email - mandla@yashbharat.co.in (*पी.आर.बी.एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/2025-27 (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)